শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 321 | गुवाहाटी | शनिवार, 27 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विकसित भारत का मार्ग कृषि और किसानों की समृद्धि से होकर जाता है : शिवराज पेज 2
इंफाल-खौपम सड़क पर आईईडी विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए पेज 3
प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं को करियर चयन में सहायता उपलब्ध ... पेज 5
महिला टी20 विश्व कप : ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने... पेज 7

प्रसूति मातृ मृत्यु दर में ऐतिहासिक गिरावट

स्वास्थ्य क्षेत्र में मारवाड़ी समाज का बड़ा योगदान : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रसूति मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है और अब यह राष्ट्रीय औसत से भी नीचे पहुंच गई है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में निरंतर निवेश, चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, गर्भवती महिलाओं की बेहतर देखभाल तथा जनजागरूकता बढ़ाने का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर शुक्रवार को कहा कि एक समय असम में प्रसूति मातृ मृत्यु का आंकड़ा 480 था, जो अब घटकर 84 रह गया है। उन्होंने इसे राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र की एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि सरकार की निरंतर कोशिशों से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को गुवाहाटी के माछखोवा स्थिति आईटीए सेंटर में आयोजित श्री मारवाड़ी दातव्य औषधालय की 110वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेते हुए उपरोक्त बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने असम के -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुवासी मेला : खुले कपाट, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

महायोग मेले में लगभग आठ लाख श्रद्धालुओं का समागम

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम के गुवाहाटी में निलांचल पहाड़ पर स्थित मां कामाख्या का पवित्र मंदिर, जहां बीते 22 जून की रात को मंदिर के कपाट तीन दिनों के लिए बंद कर दिए गए थे। इसके पीछे का कारण माता के राजस्वला होने का समय था। हर साल जब मंदिर तीन दिनों के लिए बंद होता है, तो बाहर अंबुवासी मेले की शुरुआत होती है। आज यानी 26 जून 2026 को शुद्धिकरण अनुष्ठान के बाद मंदिर के कपाट एक बार फिर से भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। हर साल कामाख्या मंदिर में माता के दर्शन और पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है। मां कामाख्या के मंदिर में अंबुवासी मेला साल में केवल एक बार जून के महीने में ही लगता है। इस दौरान श्रद्धालु से लेकर संत-साधक और तंत्रिक बड़ी संख्या में मां के धाम के बाहर इक्ट्ठा होते हैं। यह मेला असम के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में शामिल है। अंबुवासी मेले के दौरान मंदिर के कपाट 3 दिनों के लिए बंद कर दिए जाते हैं। किसी को भी इन तीन दिनों में मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होती है। माना जाता है कि, यह समय मां के मासिक धर्म और आराम करने का होता है। इस दौरान मंदिर में गर्भगृह में मौजूद शिला के सामने सफेद रंग का कपड़ा बिछाकर रख दिया जाता है। अंबुवासी मेला खत्म होने के बाद जब

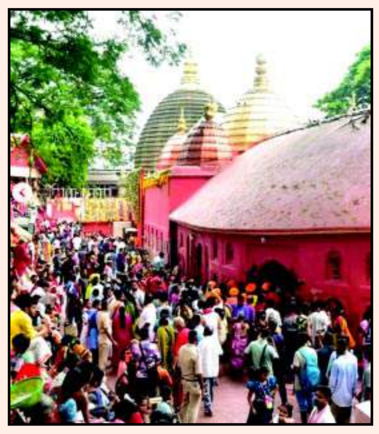

मंदिर का कपाट फिर से खोला जाता है, तो पहला दर्शन अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि, पहले दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं पर मां कामाख्या की विशेष कृपा रहती है। मेला खत्म होने के बाद कुछ जरूरी काम किए जाते हैं। इस दौरान मां कामाख्य का स्नान कराने के साथ दैनिक यज्ञ, पूजा, हवन एक बार फिर से शुरू किया जाता है। मां कामाख्या को ताजे फल-फूल, मिठाइयां और खास तरह का भोग अर्पित किया जाता है। इसके अलावा श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में मां कामाख्या का राजस्वला वाला लाल कपड़ा दिया जाता है। अंबुवासी मेले समाप्त होने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में आतंकी साजिश का पर्दाफाश

एनआईए ने जेएमबी के 11 आतंकियों पर कसी नकेल

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा में सेंध लगाने की एक और घिनौनी आतंकी साजिश का राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पर्दाफाश कर दिया है। प्रतिबंधित बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के एक खतरनाक धड़े इमाम महमूदुर काफिला (आईएमके) द्वारा रची गई इस साजिश के मद्देनजर एनआईए ने गुवाहाटी की विशेष अदालत में 11 आरोपीों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम के साथ साझेदारी और मजबूत करेगा जापान : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि जापान ने भारत की *एक्ट ईस्ट नीति* के तहत पूर्वोत्तर राज्य के साथ अपनी जारी साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता जतायी है। शर्मा ने बताया कि गुरुवार शाम उनकी भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से टेलीफोन पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस दौरान दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और उद्यमिता जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। जापानी राजदूत की यह पुनर्पुष्टि ऐसे समय में आई है जब भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की असम यात्रा उनके व्यस्त कार्यक्रम और अन्य कारणों से रद्द करके उसे नयी दिल्ली तक सीमित कर दिया गया। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल शाम भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची का फोन कॉल आने पर प्रसन्नता हुई। उन्होंने भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत असम के साथ जापानी सरकार की जारी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक राजा की ताकत उसकी शक्तिशाली भुजाओं में होती है। ब्राहमण की ताकत उसके आध्यात्मिक ज्ञान में और एक औरत की ताकत उसकी खूबसूरती, यौवन और मधुर वाणी में होती है।

– **आचार्य चाणक्य**

अयोध्या राम मंदिर मामला

दो महीने में 70 बार हुई चोरी एसआईटी रिपोर्ट में खुलासा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांच अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए पाया कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच चोरी की 70 कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में मनीष कुमार यादव नाम के एक व्यक्ति को कई बार चोरी की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के मुताबिक, मामले की जांच कर रही स्पेशल -शेष पृष्ठ दो पर

सिलचर में दो स्पा पर छापा, 28 महिला गिरफ्तार

सिलचर। असम पुलिस ने गुरुवार रात सिलचर के क्लब रोड स्थित एक मॉल की ऊपरी मंजिल पर मौजूद लवली स्पा और लोटस स्पा पर छापा मारा और 28 महिलाओं को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि हमने लवली स्पा से 21 महिलाओं और लोटस स्पा से सात महिलाओं को हिरासत में लिया, लेकिन अंदर और भी लोग मौजूद थे जो भागने में कामयाब रहे। हमने पंजीकरण पुस्तिकाएं जब्त कर ली हैं और जांच आगे बढ़ने पर और भी लोगों की पहचान करेंगे। पुलिस ने बताया कि दोनों स्पा केंद्रों के मालिक फिलहाल फरार हैं। कछार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) रजत पाल ने कहा कि हमें कुछ स्पा केंद्रों में कथित वेश्यावृत्ति और इसी तरह की अवैध गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी और गुरुवार को ऐसे दो केंद्रों पर चलाए गए अभियान के दौरान, हमने पर्याप्त सबूत बरामद किए जो आरोपों को सच साबित करते हैं। पाल ने कहा कि गिरफ्तार की गई अधिकांश महिलाएं स्थानीय नहीं हैं, और पुलिस को संदेह है कि इस ऑपरेशन के पीछे अंतर्राज्यीय मानव तस्करी रैकेट का हाथ हो सकता है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दिखाए गए दस्तावेजों के अनुसार, इनमें से कई लोग जोरहाट, सोनितपुर, कामरूप और आसपास के इलाकों से हैं, जबकि दो नागालैंड के दीमापुर से हैं। हम अंतर्राज्यीय तस्करी रैकेट की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं। हालांकि, पाल ने आगे कहा कि स्पा केंद्रों में आने वाले सभी लोगों को वेश्यावृत्ति या मानव तस्करी में शामिल नहीं माना जाएगा, क्योंकि उनमें से -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने संगठन में किया बड़ा फेरबदल बीवी श्रीनिवास बने सेवा दल के मुख्य संगठक

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता बीवी श्रीनिवास को सेवा दल का नया मुख्य संगठक नियुक्त किया है, जबकि लालजी देसाई को ओडिशा, फिल्म अभिनेता एवं नेता संजय दत्त को हरियाणा तथा दिल्ली के पूर्व एवं वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का नया पार्टी प्रभारी बनाया है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से जारी की गई हैं। संगठनात्मक बदलाव के तहत भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

रतलाम में ताजिया जुलूस के दौरान करंट से तीन की मौत, 12 से ज्यादा लोग झुलसे

रतलाम (हि.स.)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए। हादसे के बाद जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। -शेष पृष्ठ दो पर

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आईआरजीसी ने उड़ाया कार्गो शिप, फंसे कई जहाज

नई दिल्ली। होर्मुज में ईरान ने कार्गो शिप पर अटैक किया है। तय किए गए रूट से ना जाने पर हमले का दावा किया गया है। बताया गया कि वार्निंग के बावजूद भी जो रूट तय था उस पर ना जाने के चलते यह अटैक किया गया। हमले के बाद जहाजों की निकासी योजना पर रोक लगा दी गई है। ईरान की तरफ से यह दलील दी गई कि उसी रूट पर जाने का पालन ना करना इस अटैक के पीछे का कारण है। जहां एक तरफ पीस डील पर दोनों देशों के बीच में बातचीत आगे बढ़ रही है। ऐसे में यह तनाव इस डील पर सीधा असर डालेगा। ईरान के ड्रोन हमले के बाद होर्मुज में यूएन ने रेस्क्यू रोक दिया है। 11,000 नाविकों की जान को खतरा है। फारस की खाड़ी में अब कई जहाज फंसे हुए हैं। यह बड़ी खबर क्योंकि इस पीस डील के चलते हॉर्नस को पूरी तरह से खोल दिया गया था। ऐसे में उस -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन हत्याकांड

मुख्य आरोपी सिद्धार्थ की जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी (हि.स.)। गौहाटी उच्च न्यायालय ने जुबीन गर्ग हत्याकांड के मुख्य आरोपी सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले फास्ट ट्रैक अदालत भी उनकी जमानत अर्जी को अस्वीकार कर चुकी थी। मामले में सिद्धार्थ शर्मा के महाबीर एक्वा तथा बैंक खाता खोलने से जुड़े पहलुओं पर अगली सुनवाई 24 जुलाई को निर्धारित की गई है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ पर्याप्त तथ्य और साक्ष्य उपलब्ध हैं।

नशे से मुक्ती के लिए *रूथलेस अप्रोच* के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अगले तीन साल बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने नशा मुक्त भारत के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। अगले तीन सालों के लिए हमें नशे से मुक्ती के लिए *रूथलेस अप्रोच* के साथ आगे बढ़ना होगा। शाह ने राज्यों के पुलिस प्रमुखों और सचिवों के साथ बैठक में सामूहिक और संगठित प्रतिक्रिया तथा आधुनिक खुफिया सूचना आधारित कार्रवाई, प्रौद्योगिकी आधारित रणनीति तथा पूरे नेटवर्क को लक्ष्य बनाकर अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में -शेष पृष्ठ दो पर

धनस्त्री नदी पर बने नए आरसीसी पुल और पक्की सड़क ने पूर्वी कार्बी आंग्लांग और गोलाघाट के 40 से अधिक गांवों के जीवन को बदला

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। केंद्र सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की उत्तर पूर्व विशेष बुनियादी ढांचा विकास योजना (एनईएसआईडीएस) के तहत असम के पूर्वी कार्बी आंग्लांग और गोलाघाट जिलों को जोड़ने के लिए धनस्त्री नदी पर बने नए आरसीसी पुल और पक्की सड़क ने स्थानीय 40 से अधिक गांवों के लगभग 45,000 लोगों के जीवन को बदल दिया है। इस बुनियादी ढांचा परियोजना के पूर्ण होने से स्थानीय जनजातीय समुदायों और ग्रामीणों का जीवन अब सुगम, सुरक्षित और समृद्ध हो गया है। यह परियोजना स्थानीय ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं, दैनिक कामगारों और छोटे व्यापारियों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। इस अंचल में आए इस व्यापक बदलाव पर स्थानीय ग्रामीण नुवलश्याम कहते हैं कि पिछले 30 से 40 वर्षों से हम सभी यहां सिर्फ बांस के अस्थायी पुल (बम्बू ब्रिज) के सहारे जीने को मजबूर थे। पूरा रास्ता उबड़-खाबड़, कच्चा और मिट्टी का था, जिससे सामान्य दिनों में भी चलना दूभर रहता था। उन्होंने बताया कि मानसून का मौसम शुरू होते ही -शेष पृष्ठ दो पर

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 589 तक पहुंची, 2,980 लोग घायल

काराकास (हि.स.)। वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 589 हो गई है, जबकि 2,980 लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों के अब भी लापता होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए रोड्रिगेज ने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। राहत और बचाव कार्य दिन-रात बिना रुके जारी रहेगा और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय राज्य ला गुएरा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां कम से कम 100 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

विकसित भारत का मार्ग कृषि और किसानों की समृद्धि से होकर जाता है : शिवराज

पंतनगर (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा,जब कृषि विकसित होगी और किसान समृद्ध होंगे। भारतीय कृषि जलवायु परिवर्तन सहित कई चुनौतियों का सामना कर रही है,जिनका समाधान वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से ही संभव है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और विश्वविद्यालयों से भविष्य की चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय पूर्व छात्र सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंत्री ने कहा कि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,पंतनगर भारतीय कृषि के इतिहास का गौरवशाली केंद्र है, जिसने देश को वैज्ञानिक,नीति-निर्माता, कृषि उद्यमी और उत्कृष्ट मानव संसाधन देकर कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। चौहान ने कहा कि हरित क्रांति की पावन भूमि पंतनगर में आकर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश आज लगभग 377 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है और चावल उत्पादन में भारत विश्व में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। गेहूं उत्पादन भी अधिशेष है और भारतीय गेहूं और बासमती चावल की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय कृषि वैज्ञानिकों और पंतनगर विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों को दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, गिरता भूजल स्तर, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग जैसी चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से ही संभव है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा,जब कृषि विकसित होगी और किसान समृद्ध होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह पंतनगर सिखाने नहीं, बल्कि सीखने आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और कृषि विशेषज्ञों से संवाद को भारतीय कृषि के भविष्य से संवाद बताया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से कम से कम अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विकसित उत्तराखंड के निर्माण में विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पूर्व छात्रों से कृषि, अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप और युवाओं के मार्गदर्शन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि देश की हरित क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है।

फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

कछार (हिंस)। असम में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने गुरुवार देर रात विशेष अभियान चलाकर दो कथित फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया। कछार पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी जानकारी के अनुसार पहले आरोपी बिश्वजीत सिंघा (53), निवासी बोंटारापुर, थाना कुचुधाराम, को सोनाई थाना कांड संख्या 64/2025 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। दूसरे आरोपी बिक्रान सिंघा (26), निवासी तारापुर, रायगढ़, मणिपुरबस्ती, थाना सिलचर, को सिलचर थाना कांड संख्या 580/2026 में गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 316(2), 319(2), 336(2), 340(2), 125 और 271 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस कथित फर्जी चिकित्सा नेटवर्क से अन्य लोग भी जुड़े हैं या नहीं। उधर असम के धुबड़ी जिले में फर्जी चिकित्सकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक कथित नकली एमबीबीएस डॉक्टर को गिरफ्तार किया है।

सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज की निगरानी में हो बैंक घोटाले की जांच : हुड्डा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक के बाद एक सामने आ रहे बैंक घोटालों पर सरकार को घेरते हुए कहा है कि इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज की निगरानी में होनी चाहिए, ताकि कोई दोषी बचे न और कोई निर्दोष न फंसे। हुड्डा ने शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज वहां एचपीएससी के विरुद्ध आंदोलन कर रहे युवाओं से मिले हैं। एचपीएससी जिस तरह भर्तियों में धांधली करके हरियाणवी युवाओं को नौकरियों से वंचित कर रही है, उसके विरुद्ध लगातार अनशन कर रहे युवाओं की मांग पूरी तरह जायज है। सरकार को बिना देरी के उनकी मांग माननी चाहिए और अनशन खत्म करवाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ग्रुप ए व बी की नौकरियों में स्थानीय युवाओं की अनदेखी कर बाहरी लोगों को तरजीह दी जा रही है। इतना ही नहीं, जानबूझकर भर्तियों के पदों को खाली छोड़ा जा रहा है। खासकर बीसी व एससी के पदों को टारगेट किया जा रहा है। सरकार 35 प्रतिशत क्राइटेरिया को भर्तियां न करने और हरियाणवियों का हक मारने का हथियार बना चुकी है। इस क्राइटेरिया को तुरंत बर्खास्त करके, खाली पदों को भरना चाहिए। हुड्डा ने कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर पहले फायरिंग की गई और अब उनसे फिरौती मांगी गई है। इससे पता चलता है कि अपराधियों के जहन में कानून का कोई डर नहीं है। यह बेहद गंभीर मामला है। अगर जनप्रतिनिधि भी आज सुरक्षित नहीं है तो फिर आम जनता कैसे सुरक्षित होगी।

तालाब में घुसा कार एक की मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के कामडेगा इलाके में एक तेज रफ्तार कार के तालाब में घुस जाने की वजह से वाहन चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि तेज रफ्तार से चल रही कार का चालक कार से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसकी वजह से कार तालाब में जा घुसी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीआरएफ और पुलिस की टीम पहुंची। एसडीआरएफ ने बड़ी मशक्कत के बाद तालाब से कार चालक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान हाराधन दत्त के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कनाडा में 16 भारतीयों को किया गया गिरफ्तार 56 आपराधिक आरोपों के बाद पुलिस का एक्शन

नई दिल्ली। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कैलगरी शहर में पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साउथ एशियन समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाने वाले एक आपराधिक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में 16 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर कुल 56 आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, कैलगरी पुलिस ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि गिरफ्तार आरोपी किसी अंतर्राष्ट्रीय गैंग, जैसे लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ या रोहित गोदारा नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में कनाडा में इन गैंगों के नाम कई आपराधिक मामलों में सामने आते रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ये नेटवर्क लोगों को धमकाकर जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन), गोलीबारी, हिंसक वारदातों, हथियारों के इस्तेमाल और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल था। अलग-अलग मामलों की जांच को जोड़ने के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच एजेंसियों का कहना है कि आरोपी डर और हिंसा का माहौल बनाकर लोगों से पैसे वसूलने की कोशिश करते थे। कई मामलों में पीड़ितों को हथियारों के दम पर धमकाया गया। जांच में अपहरण की साजिश, अपराध के सबूत मिटाने और अवैध हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े मामले भी सामने आए हैं। पुलिस ने कुछ आरोपियों की तस्वीरें भी सार्वजनिक की हैं और लोगों से उनकी पहचान या गतिविधियों के संबंध में जानकारी शेयर करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कई आरोपी अलग-अलग नामों और उपनामों से जाने जाते हैं, जिससे उनकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। 20 वर्षीय रवजोत तूर को एक ट्रैफिक चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। उसके पास से प्रतिबंधित श्रेणी का हथियार, कारतूस और कोकीन बरामद होने का दावा किया गया है। उस पर अवैध हथियार रखने, बिना लाइसेंस हथियार रखने, वाहन में हथियार ले जाने, अपराध से जुड़े हथियार रखने, हथियार छिपाने और मादक पदार्थ रखने सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस का मानना है कि उसके पास से बरामद सामान का संबंध पहले हुई एक गोलीबारी से भी हो सकता है। मार्च 2026 में कैलगरी में हुई एक फायरिंग की जांच में जरमनजीत सिंह उर्फ जर्मन सिंह (22), जसकरण सिंह उर्फ जस्सी बुट्टर (21) और करणबीर सिंह उर्फ करण सिंह (21) के नाम सामने आए हैं। इनमें से जरमनजीत सिंह को वांछित घोषित किया गया है। तीनों पर ऐसी फायरिंग करने के आरोप हैं जिससे लोगों की जान खतरे में पड़ी। जांच में ये भी सामने आया कि गोलीबारी में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी को आग लगाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। इस मामले में अमनदीप सिंह उर्फ शिवा सिंह (21), अनुराग सिद्धू (21) और इशानदीप सिंह (19) पर आगजनी के आरोप लगाए गए हैं। मई 2026 में सामने आए एक जबरन वसूली के मामले में अमनदीप मल्ही उर्फ हरमन गिल (39) और संदीप सिंह (32) को गिरफ्तार किया गया। दोनों पर लोगों को धमकाकर पैसे मांगने और अपराध से जुड़ी रकम रखने के आरोप हैं। पुलिस ने एक कथित अपहरण की योजना का भी पर्दाफाश किया है। इस मामले में दक्ष गौतम (25), आकाशदीप सिंह (19), गगनदीप सिंह उर्फ गगी सिंह उर्फ गुग्गी (29), परदीप सिंह (24) और तरनवीर सिंह (24) के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

No.DPRD/BTC/15th FC-T-VIII/Tmp-28/2026/ *Dated Kokrajhar the 23rd June 2026*

PRESS NOTICE

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for work "Installation of drinking water supply at Hari Mandir near Lawpara (ID-629, AC-126144041)" under the award of 15th FC (Tied Grant) for the year 2024-25 during 2025-26, for A/A amount of **Rs. 20,00,000/-** (Rupees twenty lakh) only from the registered contractors of Class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads) / (Building), BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2026-27/692

पृष्ठ एक का शेष

स्वास्थ्य क्षेत्र में ...

साहित्य, संस्कृति, शिक्षा, सामाजिक जीवन, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण के क्षेत्र में मारवाड़ी समाज के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। उन्होंने श्री मारवाड़ी दातव्य औषधालय और मारवाड़ी अस्पताल की 110 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर पूरे मारवाड़ी समाज को बधाई देते हुए कहा कि इस समाज ने सेवा, परोपकार और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आदि विभाग के मंत्री अशोक सिंहल, मारवाड़ी दातव्य औषधालय के अध्यक्ष शरत कुमार जैन, संस्था से जुड़े कई विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे।

अंबुवासी मेला : खुले कपाट...

जब मंदिर के कपाट एक बार फिर से खुलते हैं, तो श्रद्धालुओं को मां अत्यंत पवित्र अंगोदक जिसे अंगवस्त्र भी कहते हैं, बांटा जाता है। ये वही कपड़ा होता है, जिसे मंदिर के कपाट बंद करने के दौरान गर्भगृह में शिला के सामने बिछाया जाता है। 3 दिन बाद जब मंदिर के कपाट खुलते हैं, तो यह कपड़ा पूरी तरह से लाल हो जाता है। मां कामाख्या का मंदिर शक्ति उपासना करने के लिए प्रमुख माना जाता है। इस मंदिर में देवी की कोई भी मूर्ति स्थापित नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक शिला को पूजा जाता है, जिसे योनिकुंड के नाम से जाते हैं और जिससे लगातार जल बहता है। माना जाता है कि, इसी जगह पर मां सती का योनि हिस्सा गिरा था, जिसकी वजह से यह जगह 51 शक्तिपीठ के रूप में काफी चर्चित है। उधर असम पर्यटन विभाग के अनुसार इस वर्ष अंबुवासी महायोग मेले में कुल 7,96,777 श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 75 विदेशी श्रद्धालु भी शामिल रहे। पिछले वर्ष मेले में 7,72,019 श्रद्धालु आए थे, जिनमें 42 विदेशी श्रद्धालु शामिल थे। इस प्रकार इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटन मंत्री अंजता नेओग ने श्रद्धालुओं की बढ़ी हुई संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी भक्तों, साधु-संतों, तीर्थयात्रियों, देश-विदेश से आए पर्यटकों, सरकारी विभागों तथा सहयोगी स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अंबुवासी मेला केवल आस्था और आध्यात्मिकता का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के *अतिथि देवो भव* के आदर्श का सशक्त प्रतीक भी है। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अंबुवासी मेला भविष्य में भी असम की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों और संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से ही इतने विशाल आयोजन का सफल संचालन संभव हो पाया। उल्लेखनीय है कि असम पर्यटन विभाग वर्ष 2013 से अंबुवासी मेले का आयोजन कर रहा है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मां कामाख्या के दर्शन के लिए गुवाहाटी पहुंचते हैं।

एनआईए ने जेएमबी...

देश की अखंडता को बचाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की एक बड़ी कामयाबी है। युवाओं के *ब्रेनवॉश* और देशविरोधी प्रोपेगैंडा का खतरनाक जाल एनआईए की जांच में सामने आया है कि इस साजिश का मुख्य मकसद भारतीय धरती पर नफरत के बीज बोना था। जेएमबी के वरिष्ठ सदस्य इमाम महमूद हबीबुल्ला ने भारत में इस प्रतिबंधित संगठन के खतरनाक एजेंडे को फैलाने के लिए ही आईएमके नाम का यह नया गुट तैयार किया था। ये आरोपी देश के भोले-भाले और संवेदनशील युवाओं को अपना निशाना बना रहे थे। उन्हें कट्टरपंथी बनाने (रेडिकलाइजेशन), गुप्त बैठकें करने, धार्मिक तौर पर भड़काने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये भारत विरोधी जहरीला प्रोपेगैंडा फैलाने में ये पूरी तरह डूबे हुए थे। देश को भीतर से खोखला करने की इस साजिश की जड़ें बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में गहरी फैल चुकी थीं। जांच एजेंसी ने इस नेटवर्क के दो मुख्य सरगनाओं की पहचान की है - नसीमउद्दीन, जो असम में इस आतंकी खेल का नेतृत्व कर रहा था और जागीर मिया, जो त्रिपुरा में संगठन की कमान संभाल रहा था। एनआईए ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रानिक उपकरण और डिजिटल रिकार्ड जब्त किए हैं, जो इनके नापाक इरादों की गवाही दे रहे हैं। देश के खिलाफ नफरत फैलाने वालों को कानून के कठघरे में खड़ा कर सुरक्षा एजेंसियों ने साफ संदेश दिया है कि भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

असम के साथ साझेदारी...

साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और उद्यमिता सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने पर सहमति जतायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में असम, जापानी उद्यमों और संस्थानों के साथ जुड़कर निवेश तथा लोगों के लिए आर्थिक अवसरों को बढ़ाने की दिशा में कार्य करने को उत्सुक है। शर्मा ने मंगलवार को कहा था कि यद्यपि ताकाइची की असम यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है, लेकिन जापान का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल *उपयुक्त समय पर* राज्य का दौरा करेगा। ताकाइची एक से तीन जुलाई तक भारत की यात्रा पर आने वाली हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी।

दो महीने में 70 बार ...

इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) ने यह भी पाया कि दान की गिनती के दौरान उसे संभालने में बड़ी खामियां थीं। टीम ने 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के फाइनेंशियल ईयर की इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की, जिसमें कई प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। एसआईटी ने यह भी पाया कि रिकॉर्ड ठीक से नहीं रखे गए थे और इंटरनल कंट्रोल सिस्टम *बहुत कमजोर* था। साथ ही, सूत्रों ने बताया कि सुपरवाइजरी लेवल पर जवाबदेही को लेकर भी कोई स्पष्टता नहीं थी। अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें चंपत राय के करीबी सहयोगी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों में अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडे, लव कुश मिश्रा, रमा शंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। सूत्रों ने बताया है कि एसआईटी की सिफारिश के आधार पर और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। इस मामले में सख्त कार्रवाई का वादा करते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। देवरिया में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए, उन्होंने विपक्ष - समाजवादी पार्टी और कांग्रेस - पर भी इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना स्वीकार्य नहीं है। आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या हम सभी की और सनातन धर्म की आस्था का प्रतीक है। अयोध्या पर बुरी नजर न डालें। भगवान राम की गरिमा बनाए रखना सीखें। हमने कहा था कि एक एसआईटी का गठन किया गया है और इसकी रिपोर्ट मिलते ही कार्रवाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आई और तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि, जैसा मैंने कहा था, हम सच को झूठ से अलग करेंगे।

सिलचर में दो स्पा ...

कई वास्तविक ग्राहक हो सकते हैं। महिलाओं को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 296 (सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्य), 132 (आधिकारिक कर्तव्य का निर्वहन करते समय लोक सेवक पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 112(2) (लघु संगठित अपराध) के तहत गिरफ्तार किया गया था। इसके अतिरिक्त, अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 के तहत धारा 3 (वेश्यालय रखना या प्रबंधित करना), 4 (वेश्यावृत्ति की कमाई पर जीवन यापन करना), 7 (सार्वजनिक स्थान पर या उसके आस-पास वेश्यावृत्ति करना) और 8 (वेश्यावृत्ति के लिए उकसाना) सहित अन्य आरोप उन पर और दो स्पा केंद्रों के मालिकों पर लगाए गए। हमने सिलचर सदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया। उन सभी को जिला अदालत में पेश किया गया और पुलिस ने उनकी हिरासत में रखने की मांग की, पाल ने कहा।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ...

रूट पर कई जो जहाज है उनके आने और जाने का सिलसिला जारी था। अब ऐसे में क्योंकि निकासी मार्ग जो है उसे बैन कर दिया गया। एक बार फिर से उसे जैम कर दिया गया। तो जो जहाज जहां था वह वहीं रुक गया। अब ऐसे में 1100 नाविकों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। कई जहाज हैं जो फंसे हुए हैं सिर्फ इस एक कदम से। इसीलिए यह जो पूरी सिचुएशन है यह पैनिकिक हो चुकी है और यह इस डील पर असर डालने के लिए कई संकेत मिल चुके हैं। हॉर्मोस में तनाव के बीच कच्चे तेल में के दामों में भी जो है वो हमने देखा कि कैसे उतार-चढ़ाव आया है। लेकिन ब्रेड क्रूड की कीमत में करीब 4 प्रतिशत तक उछाल आया। हमले के बाद वैश्विक तेल बाजार में चिंता बढ़ी है। इसके अलावा ब्रेड क्रूड पहुंचा है 74.89 प्रति बैरल के करीब। होर्मुज में जहाज पर हमले से सप्लाई पर असर की आशंका जो है वो बढ़ गई है। होर्मुज में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जो बदलाव हुआ है वह जानिए। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का अखाड़ा बन चुके हॉर्मोस में एक बार फिर से हड़कंप मच गया। ईरान ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन अटैक कर दिया। ईरान ने कहा कि उसकी अनुमति के बिना अगर कोई जहाज इस इलाके से गुजरेगा तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वो नहीं लेगा। ईरान के हमले के बाद एक बार फिर से बारूदी संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है। दुनिया के सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री लाइफ लाइन हॉर्मोस स्ट्रेट एक बार फिर से भीषण जंग और बारूदी धमाकों के मुहाने पर आ खड़ा हो गया है।

नशे से मुक्ती के लिए ...

नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हाइब्रिड मोड में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान गृह मंत्री ने मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) जारी किया। साथ ही शाह ने एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट -2025 जारी की और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थतंत्र सुरक्षा और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए नशे के कारोबार पर संपूर्ण विजय जरूरी है। भारत नशे के कारोबार से जुड़े डेथ ट्रायंगल (म्यांमार, थाईलैंड और लाओस) और डेथ क्रिसन (अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान) के बीच स्थित है। इसके अलावा ड्रोन आधारित ड्रॉप्स, समुद्री मार्गों से कंटेनराइज कारगो, डार्क नेट, क्रिप्टो पेमेंट और ऑर्डर टू डिलीवरी मॉडल पार्सलों का उपयोग जैसे तरीकों से ड्रग के कारोबारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई कठिन हो गई है। गृह मंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार के खिलाफ हमारी लड़ाई समान्य नहीं होनी चाहिए। नार्को अपराधी आज टेक्नोलॉजी से सक्षम हैं। वह नेटवर्क आधारित बन चुके हैं और मल्टी डोमेन अपराध के रूप में भी आज हमारे सामने खड़े हैं। ये सभी चीजें ये लड़ाई को और कठिन बनाती है। इसी संदर्भ में उन्होंने रूथलेस अप्रोच की बात कही।

कांग्रेस ने संगठन में ...

युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास को सेवा दल की कमान सौंपी गई है। वह लालजी देसाई का स्थान लेंगे। पार्टी ने सेवा दल के निवर्तमान मुख्य संगठक लालजी देसाई को इस जिम्मेदारी से मुक्त करते हुए संगठन में उनके योगदान की सराहना की है। राज्यों के प्रभारियों की सूची में लालजी देसाई को अब ओडिशा राज्य का कांग्रेस प्रभारी नियुक्त कर नई जिम्मेदारी दी गई है। संजय दत्त को हरियाणा और राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का नया कांग्रेस प्रभारी बनाया गया है। पार्टी ने संगठन को नए सिरे से चुस्त-दुरुस्त करने के लिए तीन निवर्तमान प्रभारियों को कार्यमुक्त भी किया है। इसके तहत अविनाश पांडे, बीके हरिप्रसाद और अजय कुमार लुल्लू को उनकी वर्तमान सांगठनिक जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया है।

धनस्त्री नदी पर बने नए ...

जब नागालैंड के लाएसैंग से निकलने वाली बारहमासी धनस्त्री नदी में बाढ़ आती थी, तो हमारा यह पूरा का पूरा इलाका देश के अन्य हिस्सों से पूरी तरह कट जाता था। उस दौर में मरीजों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने के लिए हमें अपनी जान जोखिम में डालकर छोटी नावों का सहारा लेना पड़ता था। अब सरकार ने इस नदी पर एक मजबूत आरसीसी पुल के साथ पक्की बारहमासी सड़क का निर्माण कर दिया है, जिससे हमारी दशकों पुरानी पीड़ा और मुख्यधारा से अलगाव की समस्या खत्म हो गई है। परियोजना के निर्माण से पहले जहां सड़क और पुल न होने से फसलें समय पर बड़े बाजारों तक नहीं पहुंच पाती थीं, वहीं, अब इस मार्ग के चालू होने से स्थानीय किसानों के कुल कृषि मुनाफे में 60 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा सुधार हुआ है। पहले मानसून के दौरान बाढ़ आने और रास्ते पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाने के कारण बच्चे महीनों तक स्कूल-कॉलेज नहीं जा पाते थे, जिससे पढ़ाई बीच में ही छूट जाती थी। अब सुरक्षित और बारहमासी रास्ता उपलब्ध होने के कारण छात्र नियमित रूप से शिक्षण संस्थानों में जा रहे हैं, जिससे छात्रों की कुल उपस्थिति और उच्च शिक्षा के प्रति रुझान में 40 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पहले इस कच्चे मार्ग पर मानसून में आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता था, लेकिन अब स्थिति यह है कि रोजाना इस मार्ग से लगभग 10 हजार लोग सुगमता से आ-जा रहे हैं। व्यापार की बात करें तो शाम 6 बजे के बाद भी इस नवनिर्मित मार्ग से लगभग 200 से अधिक भारी ट्रक चायपत्ती, अगर की लकड़ी, बांस और रबर लेकर देश के अन्य बाजारों के लिए रवाना होते हैं। इस पूरे क्षेत्र में पहले स्थानीय लोगों के पास नदी पार करने के लिए बांस के जर्जर ढांचे के अलावा कोई साधन नहीं था और 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी पक्का पुल नहीं था, जो अब 102 मीटर लंबे आधुनिक पुल के रूप में बनकर तैयार है। एक अन्य स्थानीय निवासी अभिजीत धुले ने कहा कि इस नए पुल के बनने से धनस्त्री नदी के दोनों किनारों के लोग एक दूसरे से सीधे, स्थायी और हर मौसम में संपर्क में रहने वाले तंत्र से जुड़ गए हैं। अब हमारे बच्चों को उच्च पढ़ाई के लिए बाहर जाने में कोई संकोच या डर नहीं रहता, क्योंकि रास्ते अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का स्थानीय व्यापार बहुत अच्छा चलने लगा है और रोजमर्रा के कामकाज तथा व्यापार के सिलसिले में लोगों का अंतर-जिला आना-जाना पहले की तुलना में बढ़ गया है। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अब हमारे गांवों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से सुलभ हो गई हैं। किसी भी आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या अन्य गाड़ियां सीधे हमारे दरवाजे तक आ जाती हैं। इस विशेष भौगोलिक क्षेत्र में स्थानीय किसान मुख्य रूप से चाय, रबर, बांस और अगर की लकड़ी जैसी फसलों का व्यापार करते हैं। अब इस बारहमासी पक्की सड़क और पुल के चालू होने के कारण परिवहन लागत में भारी कमी आई है और फसलों की बर्बादी पूरी तरह रुक गई है। कारबी, अहोम, नेपाली, बोरो, मिसिंग, खामयांग और चाय बागान जनजातीय समुदायों के छोटे और सीमांत किसानों को अब जिला मुख्यालय जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र (डिफू) गुवाहाटी, गोलाघाट और पड़ोसी राज्य नागालैंड के बड़े व्यापारिक केंद्रों तक सीधी और त्वरित पहुंच मिल रही है। उन्हें अपनी कड़ी मेहनत की उपज के सही, पारदर्शी और बेहतर दाम बिल्कुल समय पर मिल रहे हैं। परिवहन और संपर्क व्यवस्था बेहतर होने से अंतर-जिला व्यापार और स्थानीय लघु उद्योगों की व्यावसायिक गतिविधियों को जबरदस्त रफ्तार मिली है। इससे स्थानीय युवाओं और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए आत्मनिर्भरता और रोजगार के नए अवसर लगातार सृजित हो रहे हैं। इस मार्ग के विकसित होने से ग्रामीण अंचल के अंतिम छोर पर रहने वाले नागरिकों तक सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) जैसी नागरिक सेवाओं की पहुंच भी बेहद पारदर्शी और आसान हो गई है। सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और क्षेत्रीय पर्यटन के विकास के लिहाज से भी यह प्रोजेक्ट अत्यंत रणनीतिक और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लंबे समय तक उग्रवाद और इंसर्जेंसी से प्रभावित रहे इस बेहद संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों को गश्त करने में भारी भौगोलिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

वेनेजुएला में भूकंप ...

पूरे क्षेत्र को *आपदा क्षेत्र* घोषित कर दिया गया है। प्रभावित इलाकों में सेना की तैनाती की गई है और भोजन, पेयजल, दवाइयों तथा अन्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं, जिसके कारण मृतकों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) के अनुमान के अनुसार, इस आपदा से लगभग 67.6 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें करीब 20 लाख लोग अकेले राजधानी काराकास में रहते हैं। भूकंप के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सरकारी सहायता पहुंचने से पहले स्वयं राहत कार्य शुरू कर दिया। कई स्थानों पर लोगों ने अपने हाथों से मलबा हटाकर फंसे लोगों को बाहर निकाला। वहीं अनेक परिवार अब भी अपने लापता परिजनों की तलाश में जुटे हुए हैं। दूरसंचार सेवाएं बाधित होने के कारण विदेशों में रह रहे वेनेजुएलावासियों को भी अपने परिवारों से संपर्क करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि दुनिया के विभिन्न देशों से 25 खोज एवं बचाव दलों के लगभग एक हजार विशेषज्ञ वेनेजुएला भेजे जा रहे हैं। स्पेन, जर्मनी, चिली, स्विट्जरलैंड, तुर्किये, मेक्सिको, अल साल्वाडोर और डोमिनिकन गणराज्य की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय हो चुकी हैं। भारत, चीन, ब्राजील, कनाडा, कतर और पुर्तगाल सहित कई देशों ने भी मानवीय सहायता भेजने की घोषणा की है। भारत की ओर से आज राहत सामग्रियों से भरे वायुसेना दो जहाज भेजे गए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका तत्काल राहत सहायता उपलब्ध करा रहा है। हालांकि काराकास के मुख्य हवाई अड्डे के बंद होने से राहत सामग्री और बचाव दलों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने में कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियां बनी हुई हैं। इस बीच कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करते हुए क्षतिग्रस्त अस्पतालों, सार्वजनिक भवनों और मकानों के पुनर्निर्माण के लिए 20 करोड़ डॉलर के विशेष राहत कोष की घोषणा की है। उन्होंने निजी कंपनियों से भारी मशीनरी उपलब्ध कराने की अपील भी की है, ताकि मलबे में दबे लोगों को जल्द से जल्द निकाला जा सके। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, बुधवार शाम कैरेबियाई तट पर मोरोन के निकट 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप दर्ज किए गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों भूकंपों का केंद्र कम गहराई पर होने और लगातार तेज झटके आने के कारण व्यापक स्तर पर जान-माल का नुकसान हुआ।

रतलाम में ताजिया ...

पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया। इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सद्दू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। शुक्रवार को प्रशासन ने मामले में कार्रवाई तेज कर दी। कलेक्टर मिशा सिंह रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचीं और भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम रचना शर्मा और तहसीलदार देवेंद्र दानगढ़ को गांव भेजकर घटना की जांच शुरू कराई। अधिकारियों ने ताजिया कमेटी सदर अकरम मेव सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए। एसडीओपी संदीप मालवीय और पिपलौदा थाना प्रभारी रमेश कोली भी हादसे के कारणों और जिम्मेदारी तय करने की जांच कर रहे हैं। हादसे के बाद बिजली कंपनी ने भी कार्रवाई की है। ड्यूटी पर तैनात बिजलीकर्मी घनश्याम गिरी को निलंबित कर दिया गया है।

तापमान

अधिकतम 34⁰ | न्यूनतम 25⁰

ड्रग्स और अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य को नशामुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि असम सरकार ड्रग्स और अन्य सामाजिक बुराइयों के पूर्ण उन्मूलन के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि असम सरकार और असम पुलिस ड्रग्स के खिलाफ शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) की नीति के तहत लगातार कठोर अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि समाज को नष्ट करने वाली इस बुराई के खिलाफ सरकार की कार्रवाई आगे भी पूरी दृढ़ता के साथ जारी रहेगी। डॉ. शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और पुलिस के निरंतर प्रयासों से आने वाले समय में असम ड्रग्स और अन्य समाजविरोधी गतिविधियों से पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं के सुरक्षित भविष्य और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

इंफाल-खौपम सड़क पर आईईडी विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए

इंफाल। खबरों के मुताबिक गुरुवार को मणिपुर के नोनी जिले में इम्फाल-खौपम सड़क पर स्थित जौजांगटेक गांव में हुए एक आकस्मिक विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विस्फोट तब हुआ जब अज्ञात बदमाशों द्वारा लगाए गए एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में समय से पहले ही विस्फोट हो गया। विस्फोटक लगाने में शामिल व्यक्तियों के भी इस घटना में घायल होने की आशंका है। घायल हुए दो लोगों, जिनकी पहचान हेलुम और लेमांग के रूप में हुई है, को इलाज के लिए चुराचंदपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। तीसरे घायल व्यक्ति की हालत के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। विस्फोट के बाद, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के कर्मियों सहित सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। अधिकारी विस्फोट के आसपास की परिस्थितियों का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रहे हैं। यह ताजा घटना क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच हुई है, जहां हाल के महीनों में हिंसा की कई घटनाएं देखी गई हैं। इससे एक सप्ताह से भी कम समय पहले, 18 जून को, अज्ञात सशस्त्र व्यक्तियों ने उसी क्षेत्र में अपने कृषि क्षेत्रों में काम कर रहे स्थानीय ग्रामीणों पर गोलीबारी की थी। उस हमले के दौरान एक स्थानीय किसान को हाथ और सीने में गोली लगने से चोटें आईं। इस गोलीबारी की घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और किसानों के लिए बेहतर सुरक्षा और संरक्षण की मांग करते हुए ओल्ड कछार रोड पर जाम लगा दिया।

बिजली गिरने से लखीमपुर में तीन लोगों की मौत

लखीमपुर (हिंस)। असम के लखीमपुर जिले में शुक्रवार को वज्रपात की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सभी लोग खेत में हल चलाने के दौरान अचानक बिजली गिरने की घटना की चपेट में आ गए। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को महान देशभक्त एवं युगद्रष्टा साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के अंधकारमय दौर में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का दीप प्रज्वलित किया और देशभक्ति की भावना को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में कहा कि बंकिमचंद्र द्वारा रचित *वंदे मातरम्* केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया। इसने भाषा, क्षेत्र और समुदाय की सीमाओं से ऊपर उठकर करोड़ों देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया तथा देशभक्ति, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि *आनंदमठ* के माध्यम से बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने भारत माता के गौरवशाली स्वरूप को राष्ट्र के सामने प्रस्तुत किया और स्वतंत्रता, राष्ट्रीय स्वाभिमान तथा राष्ट्रीय चेतना की प्रेरणा दी।

असम की वार्षिक पूंजीगत व्यय राशि में 13 गुना वृद्धि : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की वार्षिक पूंजीगत व्यय राशि वर्ष 2014-15 के 2,000 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 26,000 करोड़ रुपए हो गई है, जो 13 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि इस अभूतपूर्व पूंजी निवेश ने असम में आधारभूत संरचना के विकास, आर्थिक प्रगति और नए अवसरों को नई गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि *विकसित असम, विकसित भारत की मजबूत नींव है।* उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में हो रहा तेज विकास भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को और अधिक सशक्त करेगा।

एसएसबी ने आयोजित किया अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

कोकराझाड़ (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर आज छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कमांडेंट रविन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में वाहिनी मुख्यालय, के रखामुरी बाजार रानीघुली तथा वाहिनी के अधीनस्थ समस्त सीमा चौकियों में नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान एसएसबी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों को नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई। साथ ही मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर छठी वाहिनी द्वारा संदेश में बताया गया कि नशा समाज, परिवार एवं युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। सभी नागरिकों से नशे से दूर रहने, युवाओं को इसके प्रति जागरूक करने तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की किसी भी सूचना को तत्काल संबंधित एजेंसियों के साथ साझा करने का आह्वान किया। समाज एवं सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से ही नशामुक्त एवं सुरक्षित भारत का निर्माण संभव किया जा सकता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में नशा मुक्ति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था।

अंबुवाची के बाद गवर्नर ने कामाख्या मंदिर का दौरा किया

गुवाहाटी। असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अपनी पत्नी श्रीमती कुमुद देवी के साथ आज कामाख्या मंदिर का दौरा किया। यह दौरा वार्षिक अंबुवाची उत्सव के बाद मंदिर के फिर से खुलने पर किया गया। गवर्नर ने मां कामाख्या की पूजा-अर्चना की और असम के लोगों की शांति, समृद्धि और विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। देश के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में से एक, अंबुवाची मेले के समापन (जिसे *निवृत्ति* कहा जाता है) के मौके पर शक्ति मंदिर में जाकर, श्री आचार्य ने आज सुबह पवित्र शक्तिपीठ में पूजा की और समाज के सभी वर्गों के कल्याण और भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने देश-विदेश से आए उन लाखों भक्तों और तीर्थयात्रियों की भी सराहना की,

जिनकी भागीदारी ने इस वार्षिक आध्यात्मिक आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। गवर्नर श्री आचार्य ने अंबुवाची मेले के सुचारू, सुरक्षित और शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने में मंदिर प्रबंधन समिति, जिला प्रशासन, पुलिस कर्मियों, सफाई कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और विभिन्न संबंधित लोगों के समर्पित प्रयासों और उनके आपसी सहयोग व अथक सेवा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह उत्सव एक बार फिर भारत की सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपराओं और सद्भाव व सह-अस्तित्व की उस भावना को दर्शाता है जो अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ जोड़ती है। श्री आचार्य ने पूरे उत्सव के दौरान अनुशासन, स्वच्छता और सद्भाव बनाए रखने के लिए भक्तों का भी आभार व्यक्त किया।

रंगिया : चेन स्नेचिंग मामले में जौहरी समेत दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया में एक महिला से पिस्तौल दिखाकर सोने की चेन लूटने के मामले में रंगिया पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो मुख्य आरोपियों के साथ-साथ चोरी का सोना खरीदने वाले एक जौहरी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कुछ ही दिन पहले सुबह रंगिया के ब्रिक फील्ड कॉलोनी इलाके में हुई। बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला को पिस्तौल (हथियार) दिखाकर और उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलते ही रंगिया पुलिस हरकत में आई और तलाशी अभियान चलाकर दोनों लुटेरों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कमलपुर के 2 नंबर खरीकटा निवासी इफ्तिकार हुसैन और बापुकण अली के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने *न्यू भारत ज्वेलर्स* नाम की एक स्थानीय आभूषण दुकान पर छापा मारा। पुलिस ने दुकान के मालिक आलीमुद्दीन लस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसने इन लुटेरों से चोरी की हुई सोने की चेन खरीदी थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चोरी का सोना खरीदने के मामलों में *लस्कर ब्रदर्स* (न्यू भारत ज्वेलर्स के मालिक) का नाम पहले भी कई बार सामने आ चुका है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि इलाके में सक्रिय पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके।

कामरूप और होजाई में अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग दिवस मनाया गया

अमीनगांव। मादक पदार्थों (ड्रग्स) के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों और नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व के बारे में छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुक्रवार को मिर्जा स्थित दक्षिण कामरूप महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कामरूप जिला समाज कल्याण विभाग ने जिला प्रशासन के सहयोग से इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में दक्षिण कामरूप महाविद्यालय की एनएसएस (ह्रस्) इकाई ने एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। नाटक के माध्यम से ड्रग्स के दुरुपयोग के भयानक परिणामों और इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए सामूहिक रूप से आगे आने की आवश्यकता को प्रस्तुत किया गया। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने *नशा मुक्त भारत अभियान* की शपथ ली और नशामुक्त भारत बनाने के अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता (रिसोर्स पर्सन) के रूप में असम के राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी की अनुसंधान

अधिकारी एवं प्रोफेसर डॉ. शर्मिष्ठा बरुआ उपस्थित थीं। उन्होंने मादक पदार्थों के दुरुपयोग के समग्र हानिकारक प्रभावों पर एक जानकारीपूर्ण भाषण दिया और जागरूकता बढ़ाने व जिम्मेदारी लेने के माध्यम से ड्रग्स की लत को रोकने में युवा पीढ़ी की भूमिका पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिले की अतिरिक्त उपायुक्त गीताश्री लाचित, पलाशबाड़ी उप-जिला उपायुक्त भास्कर ज्योति कलिता, पुलिस आयुक्त, दक्षिण कामरूप महाविद्यालय के प्राचार्य, कामरूप जिले के समाज कल्याण अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, कामरूप जिले के नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्रों के प्रभारी अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर *नशामुक्त भारत सप्ताह* के अंतर्गत आज डबका के हाजी अनफार अली महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था-*नशामुक्त भारत अभियान-विकसित भारत की पहचान*। यह सभा होजाई जिला समाज कल्याण कार्यालय के संयोजन में हाजी अनफार अली महाविद्यालय और नॉर्थ ईस्ट रूरल वेलफेयर सोसाइटी, डबका के सहयोग से आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मामन आजम बरभुइयां ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सहायक आयुक्त डॉ. विभूति संदिकै ने अपने संबोधन में समाज में बढ़ती विभिन्न प्रकार की व्यसनों (एडिक्शन) पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल नशीले पदार्थों की लत ही चिंता का विषय नहीं रही; सोशल मीडिया एडिक्शन भी युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा हर प्रकार की लत से दूर रहने का आग्रह किया। अन्य वक्ताओं में जिला समाज कल्याण अधिकारी नीलेश्वर राय और होजाई के डीएसपी भास्वती चौधरी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता नशामुक्त समाज के निर्माण का सबसे अहम उपकरण है। बिन्नाकांडी सीडीपीओ गीता बंगरुंगपी, उदाली सीडीपीओ विभा माली और जोगीजान सीडीपीओ चरलांगतुक सिंगनार ने भी जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने और नशा प्रतिबंधक कदमों पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में हाजी अनफार अली महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभा के अंत में उपस्थित सभी ने युवाओं को हर प्रकार के व्यसन से दूर रखने और नशामुक्त, स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।

मारुति सुजुकी के साथ 20 वर्षों की साझेदारी का जश्न मना रहा पोद्दार कार वर्ल्ड

गुवाहाटी। बीस वर्ष पहले पोद्दार कार वर्ल्ड ने गुवाहाटी में मारुति सुजुकी के एकमात्र शोरूम के साथ अपनी शुरुआत की थी। उस समय कंपनी का एक सरल विश्वास था कि असम के ग्राहकों को ऐसा वाहन खरीदने और स्वामित्व का अनुभव मिलना चाहिए, जो भरोसे, पारदर्शिता और दीर्घकालिक संबंधों पर आधारित हो। आज, जब कंपनी मारुति सुजुकी के साथ अपनी साझेदारी के 20 वर्ष पूरे कर रही है, तो यही विश्वास पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख मारुति सुजुकी डीलर नेटवर्क में विकसित हो चुका है, जिसकी पहुंच असम और पश्चिम बंगाल में 65 से अधिक ग्राहक सेवा केंद्रों तक फैली हुई है। पिछले दो दशकों में पोद्दार कार वर्ल्ड ने 1.2 लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की है, 6.3 लाख से अधिक वाहनों की सर्विसिंग की है, 3.83 लाख से अधिक बीमा पॉलिसियों की सुविधा प्रदान की है और 11 लाख से अधिक ग्राहकों के जीवन को गति दी है। हालाँकि ये उपलब्धियाँ कंपनी के व्यवसाय के विस्तार को दर्शाती हैं, लेकिन वे इससे कहीं अधिक स्थायी और मूल्यवान चीज़ का प्रतीक हैं-उन पीढ़ियों के ग्राहकों के भरोसे का, जिन्होंने पोद्दार कार वर्ल्ड को केवल वाहन खरीदने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पूरे वाहन स्वामित्व सफर के दौरान एक विश्वसनीय मोबिलिटी पार्टनर के रूप में चुना है। यह उपलब्धि ऐसे समय में

हासिल हुई है, जब पूर्वोत्तर भारत देश के सबसे संभावनाशील मोबिलिटी बाजारों में से एक के रूप में उभर रहा है। बेहतर संपर्क व्यवस्था, बढ़ती आकांक्षाएं, उद्यमिता का विस्तार और बुनियादी ढाँचे में सुधार ने पूरे क्षेत्र में वाहन स्वामित्व को गति दी है। इस परिवर्तन के दौरान पोद्दार कार वर्ल्ड ने भी क्षेत्र के साथ कदम से कदम मिलाकर निरंतर विस्तार किया है। कंपनी ने संगठित ऑटोमोबाइल रिटेल, सेवा अवसंरचना, सड़क सुरक्षा पहलों और कुशल रोजगार के अवसरों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज, कंपनी का लगातार विस्तारित हो रहा डीलरशिप नेटवर्क पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में लगभग 2,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आजीविकाओं को सहारा दे रहा है। इसमें असम में 1,400 से अधिक और पश्चिम बंगाल में 600 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

बीटीसी के कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय ने लिया कटाव प्रभावित क्षेत्रों का जायजा

मिट्टी संरक्षण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीसी के कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय ने विभिन्न कटाव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मिट्टी संरक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। दौरे का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में हो रहे भू-कटाव की समस्या को समझना और उसके स्थायी समाधान के लिए प्रभावी रणनीतियां तैयार करना था। ईएम रॉय ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कटाव को रोकने के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है। बैठक के दौरान, मिट्टी संरक्षण की मौजूदा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ईएम रॉय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कटाव की चपेट में आए संवेदनशील इलाकों की पहचान कर वहां जल्द से जल्द सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने और उपजाऊ मिट्टी के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। स्थानीय निवासियों की चिंताओं को समझते हुए, ईएम रॉय ने आश्वासन दिया कि बीटीसी प्रशासन मिट्टी संरक्षण और कटाव रोकने के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि समय रहते उचित कदम उठाने से न केवल कृषि भूमि को बचाया जा सकेगा, बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस निरीक्षण के दौरान विभाग के अभियंता और संबंधित तकनीकी विशेषज्ञ भी उपस्थित थे, जिन्होंने ईएम को कटाव नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली नई तकनीकों और भविष्य की कार्ययोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

नगांव और बंगाईगांव में धूमधाम से मनाई गई निर्जला एकादशी, शरबरत जूस आदि वितरित

नगांव/बंगाईगांव (निसं)। वृहस्पतिवार को निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा द्वारा मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल में छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित जनों के बीच शीतल जूस वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य में प्रांतीय अमृतधारा संयोजक अरुण बेती भी स्वयं उपस्थित रहे एवं उन्होंने कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया। श्री बेती की उपस्थिति से सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन हुआ। तपती गर्मी में शीतल पेय पाकर सभी लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। मंच की ओर से अरुण बेती का हृदय से आभार व्यक्त प्रदान किया। इस आशय की जानकारी अध्यक्ष श्वेता जयदीप अग्रवाल ने दी। **बंगाईगांव** से मिली जानकारी के अनुसार ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी गुरुवार को बंगाईगांव में श्रद्धा और उल्लास से मनाया गई। इस अवसर पर शहर में भक्तों द्वारा, विशेषकर महिलाओं द्वारा दान पुण्य किया गया। कई लोगों ने बिना जल के व्रत रखा तथा महिलाओं ने जल का मटका, छलनी, पंखी, चीनी आम आदमी भेजने की परंपरा का निर्वाहन किया। विभिन्न मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन के अलावा विभिन्न

धार्मिक सामाजिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने राहगीरों के लिए शुद्ध पेयजल, शीतल सर्बत आदि का वितरण किया। इसी कड़ी में श्री श्याम अरदास (ताली कीर्तन) मंडल, बंगाईगांव द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा का अनूठा संगम प्रस्तुत किया गया। मंडल की ओर से गुरुवार को चापागुड़ी रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के समीप श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए शीतल शर्बत सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ प्राप्त किया तथा मंडल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सेवा प्रदान की। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि निर्जला एकादशी का पर्व सेवा, संयम और भक्ति का संदेश देता है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए आमजन की सुविधा के लिए शीतल शर्बत वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं एंव राहगीरो ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के प्रति एक प्रेरणादायक पहल बताया। इसके साथ ही प्रत्येक एकादशी की तरह, इस विशेष निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में श्री श्याम अरदास ताली कीर्तन मंडल द्वारा भव्य संकीर्तन का भी आयोजन किया गया। स्थानीय हनुमान मंदिर, बीओसी गेट में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्याम भक्तों ने भजनों एवं संकीर्तन के माध्यम से प्रभु श्री श्याम की महिमा का गुणगान किया। रात्रि मे आयोजित संकीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्तिमय वातावरण का आनंद लिया। मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि सेवा और भक्ति दोनों ही मानव जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं तथा ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंडल के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संपादकीय

समझौता कैसे होगा?

भारत के संदर्भ में 25 जून का दिन अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तानाशाही आपातकाल का है, लेकिन वैश्विक स्तर पर भी आपात स्थितियां बनी हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है अथवा मध्यस्थों के साथ जारी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं। इजरायल हवाई बमबारी कर दक्षिण लेबनान में तबाही और विध्वंस को जारी रखे है। लगातार हत्याएं की जा रही हैं, लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं, लेकिन ट्रंप सिर्फ ईरान को धमकाते रहते हैं कि समझौता नहीं हुआ, तो पहले से ज्यादा विध्वंसक हमले झेलने पड़ेंगे। ईरान पहले ही बर्बाद हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के कारण ही समझौते का संवाद 24 घंटे भी जारी नहीं रह सका है। ईरानी दल ने अमरीकी दल से न तो हाथ मिलाया, न ही संयुक्त फोटो खिंचवाई, बल्कि वार्ता-सभागार से बॉयकाट कर गया। ईरान ने मध्यस्थों को साफ कर दिया कि वे अमरीका के साथ इस तरह बातचीत नहीं करेंगे। तो क्या समझौता नहीं होगा? अधिक मौजूं सवाल यह है कि जिस तरह ट्रंप ईरान को हड़काए रखना चाहते हैं, उसके मद्देनजर अंतिम समझौता कैसे होगा? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, यूरेनियम के संवर्धन और अमरीकी सामान खरीदने की बाध्यता पर जो बयान दिए हैं, ईरान ने उनका खंडन किया है। ईरान ने अमरीका और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को साफ कह दिया है कि परमाणु स्थलों का निरीक्षण अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव हो सकता है। ईरानी दल ने स्विट्जरलैंड में आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात करने से भी इंकार कर दिया है। अमरीका और ईरान के दरमियान इतने विरोधाभास हैं कि सवाल स्वाभाविक लगता है कि इस तरह अंतिम समझौता कैसे होगा? समझौता होगा भी अथवा नहीं? 'व्हाइट हाउस' ने एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ईरानी तेल को पाबंदियों से मुक्त कर दिया है। 1979 के बाद अमरीका ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। बेशक ईरान वार्ता के 60 दिनों तक ही तेल की आजादी महसूस करेगा, फिर भी उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अति महत्वपूर्ण निर्णय है। ईरान हमेशा पाबंदी-मुक्त रहे, यह बिंदु भी सहमति-पत्र में है। यदि समझौता हुआ, तो ईरान को हमेशा के लिए पाबंदी-मुक्त करना ही पड़ेगा। बहरहाल ईरान इस दौरान 40-43 अरब डॉलर का तेल बेच सकेगा। इसी के मद्देनजर भारत ने भी ईरान से 38.85 लाख बैरल तेल खरीदा है। संभव है कि दोनों देशों के बीच नया करार हो जाए! भारत के 11 जहाज, टैंकर होर्मुज का पार कर निकले हैं, जिनमें कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और खाद लदी है। अभी 10 और भारतीय जहाज वहां फंसे हैं। वे भी 60 दिन की इस अवधि में तेल-गैस आदि लेकर लौट सकते हैं। इसी दौरान अमरीका ने ईरान पर यह शर्त थोपी है कि पाबंदियां खुलने के बाद ईरान अमरीका को ही तेल बेचेगा, लेकिन ईरान ने साफ इंकार कर दिया है। ट्रंप की यह भी शर्त है कि ईरान की जब्त संपत्तियों में से जो भी राशि जारी की जाएगी, उससे ईरान अमरीकी सामान ही खरीदेगा। क्या ऐसी शर्तें थोपने के बाद किसी समझौते की उम्मीद की जा सकती है।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं।

भारत में एफडीसी के नियमन और गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही

उपलब्धि है या चिंता का विषय फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन

स्वास्थ्य किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने रोगों के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम है विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण, हृदय रोग, अस्थमा और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के उपचार में इनका व्यापक उपयोग किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कुछ परिस्थितियों में एफडीसी के उपयोग को उपयोगी मानता है। हालांकि इनके अनेक लाभ हैं, लेकिन इनके अनियंत्रित और अतार्किक प्रयोग ने गंभीर चिंताएँ भी उत्पन्न की हैं। विशेष रूप से भारत में एफडीसी के नियमन और गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। एफडीसी का मूल उद्देश्य उपचार को सरल बनाना है। जब किसी रोगी को दिन में कई बार अलग-अलग दवाएँ लेने की आवश्यकता होती है, तो वह कई बार खुराक भूल जाता है या दवाएँ नियमित रूप से नहीं लेता। इससे उपचार की सफलता प्रभावित होती है। यदि वही दवाएँ एक ही गोली में उपलब्ध हो तो रोगी के लिए उन्हें लेना आसान हो जाता है। यही कारण है कि एफडीसी को रोगी-अनुपालना बढ़ाने वाला एक प्रभावी साधन माना जाता है। एफडीसी का सबसे बड़ा लाभ रोगी की सुविधा है। एक ही गोली में कई दवाएँ होने के कारण दवा लेने की प्रक्रिया सरल हो जाती है। विशेष रूप से वृद्ध रोगियों, बच्चों और लंबे समय तक उपचार लेने वाले व्यक्तियों के लिए यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। जब दवाओं की संख्या कम हो जाती है तो रोगी द्वारा उपचार छोड़ने की संभावना भी कम हो जाती है। यह लाभ क्षय रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों में अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहाँ उपचार का अधूरा रह जाना गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। एफडीसी का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ उपचार की प्रभावशीलता में वृद्धि है। कई रोगों में अलग-अलग दवाएँ मिलकर बेहतर परिणाम देती हैं। उदाहरण के लिए, क्षय रोग के उपचार में अनेक दवाओं का संयुक्त उपयोग आवश्यक होता है क्योंकि एक ही दवा से उपचार करने पर जीवाणुओं में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसी प्रकार एचआईवी संक्रमण में भी बहु-दवा चिकित्सा मानक उपचार का हिस्सा है। ऐसे मामलों में एफडीसी उपचार को सरल और अधिक प्रभावी बनाती है। एफडीसी का एक और लाभ दवा प्रतिरोध को नियंत्रित करना है। वर्तमान समय में प्रतिजैविक प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यदि रोगी आवश्यक दवाओं में से किसी एक को छोड़ देता है तो रोगाणुओं में प्रतिरोध विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है। एफडीसी इस समस्या को कम करने में सहायता करती हैं क्योंकि सभी आवश्यक दवाएँ एक साथ दी जाती हैं। इससे रोगी किसी एक दवा को छोड़ नहीं सकता और उपचार अधिक प्रभावी रहता है। आर्थिक दृष्टि से भी एफडीसी कई बार लाभकारी सिद्ध होती हैं। अलग-अलग दवाओं की तुलना में संयुक्त दवा के उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन और वितरण की लागत कम हो सकती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ भी घटता है। बड़े सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एफडीसी के उपयोग से दवाओं के प्रबंधन और आपूर्ति व्यवस्था को भी सरल बनाया जा सकता है। एफडीसी स्वास्थ्य प्रशासन के लिए भी उपयोगी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में जब बड़ी संख्या में रोगियों को दवाएँ उपलब्ध करानी होती हैं, तब अलग-अलग दवाओं के स्थान पर एक संयुक्त दवा का वितरण अधिक सुविधाजनक होता है। इससे भंडारण की आवश्यकता कम होती है तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में आसानी होती है। इन लाभों के बावजूद एफडीसी से जुड़ी कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण समस्या खुराक में लचीलेपन का अभाव है। प्रत्येक रोगी की आवश्यकता अलग होती है। कई बार चिकित्सक किसी एक दवा की मात्रा बढ़ाना या घटाना चाहता है, लेकिन एफडीसी में ऐसा करना संभव नहीं होता क्योंकि सभी घटक निश्चित अनुपात में होते हैं। परिणामस्वरूप रोगी को या तो पूरी दवा बदलनी पड़ती है या ऐसी खुराक लेनी पड़ती है जो उसकी आवश्यकता के अनुरूप नहीं होती। एफडीसी का दूसरा प्रमुख दोष यह है कि इनके कारण दुष्प्रभावों की पहचान कठिन हो जाती है। यदि किसी रोगी को संयुक्त दवा लेने के बाद एलर्जी या अन्य प्रतिकूल प्रभाव होता है तो यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि किस घटक ने समस्या उत्पन्न की है। इससे उपचार की प्रक्रिया जटिल हो सकती है और रोगी की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। एक अन्य महत्वपूर्ण समस्या अनावश्यक औषधि सेवन की है। कई बार रोगी को एफडीसी में सम्मिलित सभी दवाओं की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी उसे पूरा संयोजन लेना पड़ता है। इससे दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ जाता है और रोगी अनावश्यक रूप से अतिरिक्त दवाओं के संपर्क में आ जाता है। चिकित्सा विज्ञान का मूल सिद्धांत है कि रोगी को केवल वही दवा दी जाए जिसकी उसे आवश्यकता हो, लेकिन अतार्किक एफडीसी इस सिद्धांत के विपरीत जा सकती हैं। भारत में एफडीसी से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता अतार्किक संयोजनों की रही है। लंबे समय तक बाजार में ऐसी अनेक दवाएँ उपलब्ध रहीं जिनके संयोजन का कोई स्पष्ट वैज्ञानिक आधार नहीं था। कुछ मामलों में दवाओं के घटक एक-दूसरे के प्रभाव को बढ़ाने के बजाय कम कर देते थे, जबकि कुछ संयोजन रोगियों के लिए अनावश्यक जोखिम उत्पन्न करते थे। इस स्थिति ने दवा नियमन व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया। प्रतिजैविक दवाओं के अतार्किक संयोजन विशेष रूप से चिंता का विषय रहे हैं। इनका अनुचित उपयोग जीवाणुओं में प्रतिरोध को बढ़ावा देता है। जब प्रतिजैविक दवाएँ प्रभावहीन होने लगती हैं तो सामान्य संक्रमणों का उपचार भी कठिन हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रतिजैविक प्रतिरोध को मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक माना है। इसलिए प्रतिजैविक एफडीसी के उपयोग में विशेष सावधानी आवश्यक है। एफडीसी से जुड़ी चुनौतियों में नियामक व्यवस्था की जटिलता भी शामिल है। किसी नई एफडीसी को बाजार में लाने से पहले उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता और गुणवत्ता का पर्याप्त वैज्ञानिक परीक्षण होना चाहिए। यदि परीक्षण और मूल्यांकन की प्रक्रिया कमजोर हो तो असुरक्षित या अप्रभावी दवाएँ बाजार में पहुँच सकती हैं। भारत में समय-समय पर केंद्र सरकार ने अनेक अतार्किक एफडीसी पर प्रतिबंध लगाया है, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। भारत विश्व के सबसे बड़े औषधि उत्पादक देशों में से एक है और यहाँ एफडीसी का उपयोग अत्यंत व्यापक है। भारतीय दवा बाजार में हजारों प्रकार के एफडीसी उपलब्ध हैं। इनमें से कई वैज्ञानिक रूप से उचित हैं और रोगियों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जबकि कुछ संयोजन केवल व्यावसायिक लाभ को ध्यान में रखकर विकसित किए गए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ लंबे समय से तर्कसंगत औषधि नीति की आवश्यकता पर बल देते रहे हैं। तर्कसंगत एफडीसी वही मानी जाती है जिसमें प्रत्येक घटक की स्पष्ट भूमिका हो, सभी घटक एक-दूसरे के पूरक हों, उनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो तथा उनका संयुक्त उपयोग अलग-अलग उपयोग की तुलना में अधिक लाभकारी हो। यदि कोई संयोजन इन मानकों को पूरा नहीं करता तो उसे तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। भविष्य की दृष्टि से भारत को एफडीसी के क्षेत्र में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। एक ओर इन दवाओं के वास्तविक लाभों को स्वीकार करना होगा, वहीं दूसरी ओर उनके दुरुपयोग और अतार्किक प्रयोग को रोकना होगा। इसके लिए दवा स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना आवश्यक है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने रोगों के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम है विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण, हृदय रोग, अस्थमा और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के उपचार में इनका व्यापक उपयोग किया जाता है।

देश | दुनीया से

गर्मी से झुलसते यूरोप के लिए जागने का वक्त

पूरे यूरोप के नक्शे पर लाल रंग फैल गया है। तापमान के रिकॉर्ड एक के बाद एक टूट रहे हैं। हालांकि, फ्रांस सबसे ज़्यादा प्रभावित है। बुधवार, 24 जून 2026 को वहां के 58 प्रशासनिक इलाक़ों में रेड अलर्ट का सबसे ऊंचा स्तर था, जो पिछले दिन से चार ज़्यादा थे। लेकिन, गर्मी की मार झेलने वाला यह अकेला देश नहीं है। स्पेन, इटली, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पड़ोसी देशों में भी तापमान बहुत बढ़ गया। मई के आखिर में आई ऐतिहासिक हीटवेव के बाद, एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार हुआ है। लैबोरेटरी ऑफ़ क्लाइमेट एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़ के रिसर्च डायरेक्टर डेविड फ़ारंडा ने कहा, 'यूरोप बाकी दुनिया की तुलना में दोगुनी तेज़ी से गर्म हो रहा है, और हीटवेव के दौरान यह असर और भी ज़्यादा साफ़ दिखता है।' यूरोप भूमध्य सागर के पास है, जो बहुत गर्म है, और ग्रीनलैंड से भी दूर नहीं है, जहां बर्फ़ बहुत तेज़ी से पिघल रही है। हवा की धाराएं रुक जाती हैं, और 'हीट डोम' बनाती हैं। स्पेन के तट के पास ठंडी हवा का एक हिस्सा 'हेयर ड्रायर' की तरह काम कर रहा है, जो झुलसा देने वाली हवा को खींच रहा है। गुज़िश्ता साल, जर्मनी के इंडस्ट्री और एनर्जी सेक्टर से उम्मीद से कम कार्बन उत्सर्जन हुआ। हालांकि, यह अच्छी खबर थोड़ी भ्रामक है। जहां रिन्यूएबल एनर्जी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले साल उत्सर्जन में कमी की मुख्य वजह जर्मनी की रुकी हुई अर्थव्यवस्था है। ये नतीजे जर्मनी की 'काउन्सिल ऑफ़ एक्सपर्ट्स ऑन क्लाइमेट चेंज' के हैं। यह कमेटी इस बात पर रिपोर्ट और अनुमान भी तैयार करती है कि क्या जर्मनी की जलवायु नीतियां असरदार साबित हो रही हैं या नहीं। कई देशों में, ख़ासकर यूरोप में, हीट वेव के दौरान पुरुषों की तुलना में ज़्यादा महिलाओं की मौत होती है। कुछ शोधकर्ताओं ने इस अंतर को समझाने की कोशिश की है; इसके पीछे सिर्फ़ यह वजह नहीं है कि महिलाएं ज़्यादा समय तक जीवित रहती हैं, बल्कि शारीरिक और व्यवहार से जुड़े कारण भी हैं। 2003 में फ्रांस में पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) के दौरान, 55 साल से ज़्यादा उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों की

संख्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 15 फीसद ज़्यादा थी। 2006 में फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च के कई शोधार्थियों ने इस घटना का हवाला दिया था। फ्रांस कोई अपवाद नहीं है। उदाहरण के लिए, नीदरलैंड में कई स्टडीज़ की गई हैं जिनमें हीटवेव से होने वाली मौतों में लिंग के आधार पर काफ़ी अंतर देखा गया है। वर्ष 2021 में इस विषय पर एम्स्टर्डम स्थित 'व्रिजे उनिवर्सितेत' के रिसर्चर्स ने कई संभावित कारण बताए। इनमें पसीना आने में अंतर, कार्डियोवैस्कुलर तनाव (दिल पर दबाव), शरीर के सतह क्षेत्र और वज़न का अनुपात, और महिलाओं के अकेले रहने या घर में ज़्यादा सक्रिय रहने की संभावना जैसे कारण शामिल हैं। यूरोप, जिसने गुज़िश्ता गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, लाखों लोगों को बिजली के बिना छोड़ दिया है और इस महाद्वीप में एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ गई है। जिसका उपयोग आम घरों में अमूमन पहले नहीं होता था। विशेषज्ञों का कहना है कि चरम मौसम वायुमंडलीय पैटर्न से प्रेरित हो रहा है, जो गर्म हवा को कई दिनों तक फंसाए रखता है। ऐसे देशों में पंखों और एयर कंडीशनरों की बिक्री आसमान छू गई जहां अधिकांश इमारतें अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को मिलान और रोम सहित 16 शहरों में रेड हीटवेव अलर्ट घोषित किया। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप पूर्वी यूरोप तक बढ़ने की आशंका है। पोलैंड की मौसम सेवा ने गुरुवार से शनिवार तक देश के पश्चिमी हिस्से के लिए उच्च स्तरीय गर्मी की चेतावनी जारी की, पूर्वानुमान है कि तापमान 1921 में बनाए गए 40.2 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। क्रोएशिया के लोकप्रिय एड्रियाटिक तट को भी रेड अलर्ट के तहत रखा गया था। हंगरी, जो पहले से ही दूसरे स्तर की गर्मी की चेतावनी के तहत है, ने कहा कि तापमान में वृद्धि जारी रहने के कारण वह शनिवार से मंगलवार तक इसे अधिकतम स्तर तक बढ़ा रहा है। इस सप्ताह प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, वर्तमान हीटवेव 'मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण काफी बढ़ गई है।' जर्मनी 2045 तक नेट ग्रीनहाउस गैस न्यूट्रैलिटी और 2050 से नेट-नेगेटिव उत्सर्जन हासिल करना चाहता है। 'क्लाइमेट चेंज पर एक्सपर्ट्स की काउंसिल' की चेयरवुमन बारबरा श्लोमन का कहना है कि अब तक उठाए गए कदम इन लक्ष्यों को हासिल करने में साफ तौर पर नाकाम रहे हैं। खासकर ट्रांसपोर्ट और बिल्डिंग सेक्टर अपने जलवायु लक्ष्यों से काफी पीछे हैं। अच्छी बात यह है कि जर्मनी के जंगलों में कुछ सुधार दिख रहा है। वे न केवल महत्वपूर्ण इकोसिस्टम बनाते हैं, बल्कि अहम कार्बन सिंक के तौर पर भी काम करते हैं। इसका मतलब है कि वे वातावरण से ग्रीनहाउस गैसों को सोखते हैं और उन्हें बायोमास में बदलते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर स्थिति निराशाजनक लग रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जंगल, दलदली इलाके, घास के मैदान और खेती वाली ज़मीन जैसे इकोसिस्टम, जो आम तौर पर कार्बन जमा करते हैं, अब ग्रीनहाउस गैसें छोड़ने लगे हैं। जर्मनी के जलवायु पर सबसे ज़्यादा असर डालने वाले क्षेत्र उद्योग, ऊर्जा और परिवहन हैं। एक जर्मन कोर्ट ने सरकार को क्लाइमेट बचाव की कोशिशों को और बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद सांसदों ने मार्च में एक और पैकेज पेश किया।

आप का | नजरीया

सूखे की आहट

दक्षिण पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है। लेकिन हमें लाखों किसानों का जीविका संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश में मौसम के मिजाज में होने वाला बदलाव अब कभी-कभार की बाधा नहीं रही, बल्कि बार-बार होने वाली सच्चाई बन गया है। मानसून के व्यवहार में लगातार अनिश्चितता को देखते हुए देश के नीति-निर्माताओं को खेती संरक्षण के लिये एक ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत है, जो मौसम के बदलावों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके। तभी हम भविष्य की अनिश्चितताओं का सही तरीके से सामना कर सकेंगे। साथ ही हमें देश में पानी के सदुपयोग की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है।

देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है।

कुछ | अलग

देश में बढ़ती नशाखोरी

हमारा देश भारत एक विशाल देश है। भारत की आबादी लगभग एक सौ तैंतालिस करोड़ है। भारत एक सुंदर और विविधताओं से भरा हुआ देश है। हमारे देश की अनूठी संस्कृति है जिससे भारत की पूरे विश्व में अलग ही पहचान है। आज भारत हर क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन देश में बढ़ता नशा चिंता का विषय है। यह एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। यह नशा विशेषकर युवाओं और किशोरों में बहुत अधिक बढ़ रहा है। स्कूल और कॉलेजों के छात्रों को नशा करते हुए देखा जा सकता है। नशे का इस प्रकार बढ़ता प्रचलन एक गंभीर सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गांव में भी तेजी से फैल रही है। हेरोइन, कोकीन और चिट्टा आदि नशे बहुत अधिक खतरनाक हैं। इस तरह के नशे पारंपरिक नशे से भी कई गुणा भयानक हैं। नशे के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है जिससे एचआईवी हेपेटाइटिस का खतरा बढ़ रहा है। इस प्रकार का नशा हमारे देश की युवा पीढ़ी को दीमक की तरह चट कर रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है जिसकी औसत आयु मात्र 29 वर्ष है। देश की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु वर्ग की है। यह युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। यदि यही युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती जाएगी तो देश के भविष्य का क्या होगा। देश में नशा क्यों बढ़ रहा है, यह गंभीर चिंतन का विषय है। देश और युवा वर्ग तथा किशोरों के भविष्य को देखते हुए इस नशे पर लगाम लगानी ही होगी। दूसरे देशों से होने वाली नशे की तस्करी को सख्ती से रोकना होगा।

दृष्टि | कोण

भारतीय इतिहास में बंजारा समाज

बंजारा समाज का जिक्र लोक साहित्य और लोक कथाओं में तो होता है, लेकिन इस समाज का इतिहास और इसकी उपलब्धियों के बारे में इतिहास चुप है। बंजारा समाज क्षत्रिय कुल से ताल्लुक रखता है और इसमें अनेक समुदाय शामिल हैं। लुबाना, सिकलीगर, बाजीगर, गाडिया लोहार इत्यादि सोलह बिरादरियों का लंबा समूह बनता है। अंग्रेजों ने तो इनमें से अधिकांश समूहों को 'क्रिमिनल ट्राइब्स' कर रखा था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अंग्रेज सरकार के कितना खिलाफ थे। अंग्रेज सरकार अपने खिलाफ लडने वालों को क्रिमिनल ही कहती थी। जो लोग उस विदेशी अंग्रेज सरकार के साथ मेज पर बैठ कर आजादी की लड़ाई की इबारत लिखते थे, वे सिविलियन थे। लेकिन जो लोग दूसरे तरीके से लड़ते थे, वे क्रिमिनल थे। जो पूरे का पूरा समुदाय ही अंग्रेज सरकार के खिलाफ था, वे क्रिमिनल ट्राइब्स घोषित कर दिए जाते थे। पूर्वोत्तर के नागा तो 'हेडहंटर' ही घोषित कर दिए गए क्योंकि उन्होंने उन पादरियों के सिर काट दिए थे जो उनके देवी-देवताओं की निंदा करते थे। बंजारा समाज ने मुगल काल में तथाकथित 'अकबर महान' को नाकों चने चबवा दिए थे। अकबर ने बंजारा समाज की एक लडकी मल्लूकी के सौंदर्य से आकर्षित होकर उसे बलपूर्वक अपने हरम में डालने का प्रयास किया था। मुगल बादशाहों का भारतीयों के प्रति व्यवहार सम्मानजनक तो था ही नहीं, क्रूर भी था। बादशाहों का चरित्र भी निम्न दर्जे का था। उनको जो भी सुंदर लडकी पसंद आती थी, उसके कारिंदे उसे उठाकर बादशाह के हरम में डाल देते थे। समाज के लिए उसे निकाह का नाम दे दिया जाता था। बंजारा समाज मुगल बादशाहों की इस भोग-लोलुपता को अच्छी तरह जानता था। उस समय के बादशाह अकबर की नजर बंजारा समाज की मल्लूकी पर भी पड़ी। उसने मल्लूकी से निकाह करने का प्रयास किया, लेकिन उसे शायद अंदाजा नहीं था कि मल्लूकी बंजारा समाज की कन्या थी। बंजारा समाज ने अकबर की इस इच्छा को अपने आत्मसम्मान के लिए चुनौती माना।

मल्लुकी को बलपूर्वक प्राप्त करने के लिए मुगल सेना ने प्रयास किया। लेकिन मल्लूकी के पिता बल्लू राव बिंजरावत के नेतृत्व में बंजारा समाज ने अकबर की मुगल सेना को चुनौती ही नहीं दी, बल्कि उसे दो बार पराजित भी किया। बल्लू राव बिंजरावत का मुगल राज से संघर्ष सोलहवीं शताब्दी के अंतिम दशक में हुआ था। पहला संघर्ष मारवाड़ की संबल झील के पास और दूसरा संघर्ष सतलुज नदी के किनारों पर हुआ था। इन दो युद्धों में मीरजमीर तथा मेहरखान नाम के दो मुगल सेनापतियों को हराकर बंजारों ने सोलह बिरादरियों में ही नहीं, बल्कि मुगल रियासत में भी विजय का परचम लहराया था। इसका परिणाम यह निकला कि अकबर जिस मल्लूकी बंजारा को अपने हरम में डालना चाहता था, उसे उसको सार्वजनिक रूप से अपनी बहन कहना पड़ा। अकबर एक साथ अनेक मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा था। राजपूताना में वह राजपूतों के प्रतिरोध को खत्म करने का प्रयास कर रहा था। हल्दीघाटी का युद्ध (1576) उसी का परिणाम था। राजपूताना के कुछ शासकों ने तो समर्पण कर दिया, लेकिन महाराणा प्रताप जूझते रहे। हल्दीघाटी की लड़ाई के लगभग एक दशक बाद ही उसका सामना बंजारा समाज से हुआ था। मुगल काल में ही गुरु नानक देव जी ने एक नई परंपरा की शुरुआत की थी जो इतिहास में दशगुरु परंपरा के नाम से प्रसिद्ध हुई। गुरु नानक देव जी पूरे देश में घूमे थे, इसलिए उनका देश भर के बंजारों से घनिष्ठ संपर्क हो गया था। बंजारों का अकबर से आमना-सामना दश गुरु परंपरा के द्वितीय गुरु श्री अंगद देव जी के कालखंड में हुआ था।

प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं को करियर चयन में सहायता उपलब्ध कराएंगे : केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम

बीकानेर (हिंस)। जिले के 50 प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं को करियर चयन में सहायता, संसाधन, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से *सुपर-50* कार्यक्रम चलाया जाएगा। इनका चयन एक कमेटी द्वारा किया जाएगा। दसवीं और बारहवीं परीक्षा पास विद्यार्थी, इस योजना के तहत चयनित होंगे जो नीट, यूपीएससी सहित अन्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी करेंगे। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि बीकानेर के प्रतिभावान बच्चे अवसर और संसाधनों की कमी के कारण बेहतर करियर से वंचित न रहें, इसके मद्देनजर भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा यह पहल की जा रही है। उन्होंने करियर काउंसलिंग कार्यक्रम किए मुख्य संयोजक श्री रवि शेखर मेघवाल को युवाओं के चयन के लिए कमेटी बनाने तथा चयन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि करियर की बेहतर राह पर ले जाने के लिए प्रत्येक बच्चे पर 3 लाख रुपए तथा कुल डेढ़ करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रतिभावान बच्चों की संख्या अधिक होने पर इसका दायरा बढ़ाया भी जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दिवाली के आसपास वृहद करियर और रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में 2000 से अधिक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर कंपनियों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाए जाएंगे। श्री मेघवाल ने भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा लगातार दूसरे वर्ष आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि युवाओं को बेहतर करियर तक पहुंचने में ट्रस्ट सेतु का कार्य कर रहा है। मेघवाल ने कहा कि आज के दौर में करियर के अनेक विकल्प हैं। युवा, सरकारी नौकरियों के अलावा भी बेहतर भविष्य की राह बढ़ सकते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ विकल्प की ओर बढ़ाने का मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प चुनने तथा चुने हुए लक्ष्य की प्राप्ति के लिए गंभीरता से छूटने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ने की सीख दी। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, कार्यक्रम के मुख्य संयोजक रवि शेखर मेघवाल, श्री ब्रह्म गायत्री सेवाश्रम के अधिष्ठाता दाताश्री रामेश्वरानंद महाराज, मदन स्वामी, नेशनल करियर काउंसलर डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली, नमिता सोनी और हिमांशु वर्मा ने अपनी बात कही। इससे पहले केंद्रीय मंत्री मेघवाल सहित सभी अतिथियों में मां सरस्वती, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा सुश्री भावना मेघवाल के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान अनेक बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन श्री ओमाराम ढाल ने किया। कार्यक्रम में श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, पूर्व महापौर नारायण चोपड़ा, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, उपनिदेशक (स्थानीय निकाय) सुशीला वर्मा, संतोषानंद महाराज, दीपक पारीक, दिलीप सिंह आडसर, पप्पू राम पवार आदि मंच पर मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर सभी नशे को छोड़ने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लें।

अयोध्या में आदि गुरु मां अहल्या का पूजन करेगा गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज

जोधपुर (हिंस)। मां अहल्या शिक्षा न्यास के तत्वावधान में गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज का एक प्रतिनिधि मंडल 29 जून को अयोध्या धाम पहुंचकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में स्थापित आदि गुरु मां अहल्या के दिव्य विग्रह का दर्शन, पूजन एवं अर्चन करेगा। मां अहल्या शिक्षा न्यास के संयोजक महेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में सनातन संस्कृति के महान आदर्शों को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से सात भव्य मंडपों का निर्माण किया गया है। ये मंडप ऋषि वाल्मीकि, ऋषि वशिष्ठ, ऋषि विश्वामित्र, ऋषि अगस्त्य, निषादराज, मां शबरी एवं मां अहल्या को समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि मां अहल्या केवल समाज विशेष की आराध्य नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान, तप, त्याग, धैर्य और आत्मबल की प्रेरणास्रोत हैं। भगवान श्रीराम द्वारा उनके उद्धार का प्रसंग समरसता, करुणा और न्यायपूर्ण समाज व्यवस्था का अद्वितीय संदेश देता है। महेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि समाज का प्रतिनिधि मंडल 27 जून को जोधपुर से प्रस्थान करेगा। यात्रा के प्रथम चरण में वाराणसी पहुंचकर श्रद्धालु बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे तथा मां अहल्या के आराध्य भगवान विश्वनाथ के चरणों में पत्र-पुष्प अर्पित कर समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इसके उपरांत प्रतिनिधि मंडल 29 जून को अयोध्या पहुंचेगा, जहां श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित मां अहल्या मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। इस अवसर पर समाज बंधु मां अहल्या के जीवन, उनके आदर्शों तथा समाज में उनके योगदान का स्मरण करते हुए श्रद्धा अर्पित करेंगे।

अयोध्या राम मंदिर दान पात्र मामले के सभी 8 आरोपी जेल भेजे गए

अयोध्या (हिंस)। राम नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान-चढ़ावा में गड़बड़ी करने के मामले में गिरफ्तार 8 आरोपितों को शुक्रवार को दोपहर बाद स्पेशल रिमांड मजिस्ट्रेट निवेदिता सिंह की कोर्ट में पेश किया गया। जहां सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शुक्रवार को मोहर्रम की अवकाश के चलते स्पेशल रिमांड मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेशी हुई है। अब इन सभी आरोपियों की सोमवार को फिर पेशी होगी और पुलिस कस्टडी डिमांड लेने का प्रयास करेगी। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की गुरुवार को लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू को नामजद तथा अन्य अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है। आरोपितों के खिलाफ धारा 305, 306, 316(5), 317(4), 317(5), 61, 3(5) बीएनएस व 13(1)(ड्ड) पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जेट 2026 परीक्षा आज 8,472 अभ्यर्थी होंगे शामिल

जोधपुर (हिंस)। कृषि एवं संबद्ध विषयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट)-2026 परीक्षा का आयोजन 27 जून को किया जाएगा। परीक्षा का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.10 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों में प्रवेश प्रात: 9-30 बजे से 10-30 बजे तक रहेगा। जेट-2026 के नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार परीक्षा प्रारम्भ होने से 30 मिनट पूर्व प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे। जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस वर्ष जोधपुर शहर के में 22 परीक्षा केंद्रों पर कुल 8, 472 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस वर्ष संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2026 एसकेआरएयू बीकानेर द्वारा आयोजित करवायी जा रही है।

पंजाब के सीएम की वीडियो की फर्जी रिपोर्ट बनाने का आरोपी निकला एनआईए का कर्मचारी

गुरुग्राम (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट से क्लीन चिट देने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। गुरुग्राम पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दो ओोपियों में से एक आरोपी अंकित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है। दूसरा आरोपी अरुण पंचकूला में परिवार पहचान पत्र कार्यालय में काम करता है। गिरफ्तार किए गए ये दोनों आरोपी किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक लैब से नहीं जुड़े। फिलहाल पुलिस ने रुपयों के लेन-देन की जांच करने के लिए दोनों आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और जांच जारी है। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने यह बात स्वीकार भी की है कि उनका किसी तकनीकी या साइबर फॉरेंसिक लैब से कोई संबंध नहीं है। पैसों के लालच में उन्होंने फर्जी रिपोर्ट तैयार की गई थी। आरोपी अंकित के एनआईए से संबंध पाए जाने पर गुरुग्राम पुलिस ने पूरे मामले की सूचना एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नवीन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी उजागर हुए हैं। अब उनकी भूमिका और आरोपियों से हुई बातचीत के तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस ने गुरुग्राम के क्राउन प्लाजा होटल से सीसीटीवी फुटेज और आगंतुकों का एंट्री रजिस्टर भी जब्त किया है। होटल के रिकॉर्ड में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और एसपी जसदीप गिल के नाम मिले हैं। गुरुग्राम पुलिस की अभी तक की जांच में यह भी पता चला है कि वीडियो की जांच सिफर सेंटिनेल लैब और साइबेरियन लैब्स है ही नहीं। यानी लैब्स का नाम भी फर्जी तरीके से रिपोर्ट में डाल दिया गया। ना ही सरकार की ओर से इन नामों से किसी लैब को मान्यता है। इस मामले में शिकायतकर्ता फॉरेंसिक एक्सपर्ट जसप्रीत सिंह का यह कहना है कि पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने उसे बंधक बनाया था। रिपोर्ट तैयार करने के लिए डराया, धमकाया भी। जसप्रीत का यह भी कहना है कि उसे यह नहीं पता था कि वीडियो की फर्जी रिपोर्ट का इस्तेमाल अकाल तख्त साहिब को गुमराह करने के लिए किया जाएगा। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के एक कथित वीडियो को लेकर इन दिनों बहस और हंगामा मचा है। सिखों की धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले उस वीडियो को फर्जी बताया गया।

पंजाब में सरकारी दफ्तरों का समय बदला, एक जुलाई से लागू होगा नया समय

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने सरकारी दफ्तरों और संस्थानों के समय में फिर से बदलाव कर दिया है। सरकार ने पुराने समय को बहाल करने का फैसला लिया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पंजाब राज्य के सभी सरकारी दफ्तरों, संस्थानों और चंडीगढ़ सहित पंजाब में स्थित दफ्तरों का समय एक जुलाई से सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इससे पहले गर्मी के मौसम को देखते हुए 25 मई से सरकारी दफ्तरों का समय सुबह 7-30 बजे से दोपहर 1-30 बजे तक किया गया था। अब सरकार ने इस फैसले को वापस लेते हुए पुराने समय के अनुसार दफ्तर चलाने के आदेश जारी कर दिए हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्देश जनहित को ध्यान में रखते हुए जारी किए गए हैं।

आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को देवरिया के बराव में अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में हुई गिरफ्तारियों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे। जनआस्था के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है और किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। देवरिया में 456.38 करोड़ रुपए की 106 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अयोध्या और भगवान राम को लेकर राजनीति करने वालों को पहले अपने अतीत को याद करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। यदि किसी के पास कोई प्रमाण है तो उसे एसआईटी को सौंपना चाहिए, लेकिन बिना तथ्यों के आरोप लगाने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रामभक्तों की आस्था की बार-बार परीक्षा लेना उचित नहीं है और सरकार धार्मिक भावनाओं के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए और राम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, वही आज आस्था की बात कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि याद कीजिए, कांग्रेस ने देश को केवल लूटा ही नहीं बल्कि नोंचा भी था। भगवान राम का नाम लेने वालों पर गोलियां चलवाने वाले आज हमें आस्था का पाठ पढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि दिल्ली से आए एक नेता को अयोध्या का विकास देखकर आत्ममंथन करना चाहिए। यदि उन्होंने अपने कार्यकाल में दिल्ली के लिए भी इसी तरह काम किया होता तो राजधानी की तस्वीर अलग होती। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास मॉडल से सीख लेने की जरूरत है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में नौकरियों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था और पूरा परिवार भर्ती प्रक्रिया में हस्तक्षेप करता था। उन्होंने कहा कि आज पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के कारण देवरिया सहित पूरे प्रदेश के युवाओं को बिना भेदभाव के सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। अगर डबल इंजन की सरकार नहीं होती तो कई योग्य युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने हजारों करोड़ रुपए की संभावित वित्तीय अनियमितता को रोका। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी सरकार ने 15, 800 करोड़ रुपए की लागत से एक्सप्रेसवे का टेंडर जारी किया था, जबकि जमीन का अधिग्रहण भी पूरा नहीं हुआ था। सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने पहले अधिग्रहण कराया, फिर दोबारा निविदा प्रक्रिया शुरू की। तीसरी बार प्रक्रिया को सरल बनाकर परियोजना लगभग 11, 200 करोड़ रुपए में स्वीकृत कराई गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इससे करीब तीन हजार करोड़ रुपए की बचत हुई और संभावित गड़बड़ी रोकी गई। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश माफियाओं और अपराधियों के कब्जे में था, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मोहर्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल है तथा कोई भी उपद्रव करने की हिम्मत नहीं कर सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई कानून हाथ में लेने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले जानबूझकर बिजली कटौती की जाती थी ताकि अंधेरे में अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिले। अब प्रदेश में बिजली व्यवस्था बेहतर हुई है और गांवों तक नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने कहा कि अब बेटियां बेहतर सुविधाओं के साथ स्कूल जा रही हैं और सरकार गरीब परिवारों के बच्चों के लिए लगातार योजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने बेहतर सड़क संपर्क, सिंचाई सुविधाओं और किसानों के लिए योजनाओं के माध्यम से कृषि को मजबूत किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कृषि विकास की रफ्तार पहले की तुलना में काफी बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। देवरिया, कुशीनगर, बलिया, मऊ और आजमगढ़ जैसे जिलों में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

पंजाब पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी से जुड़े 63, 749 बैंक खाते फ्रीज किए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के राज्य साइबर क्राइम डिवीजन ने पिछले एक वर्ष में साइबर धोखाधड़ी से जुड़े 63, 749 बैंक खाते फ्रीज किए हैं, जिनमें लगभग 540.34 करोड़ रुपए के लेन-देन शामिल थे। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक करीब 64 करोड़ रुपए पीड़ितों को वापस दिलाए गए हैं, जिनमें से लगभग 38.42 करोड़ रुपए की रिकवरी एक जनवरी 2025 के बाद की गई है। इसी अवधि में राज्य में 62, 253 साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए। पिछले वित्तीय वर्ष में धोखाधड़ी से जुड़ी राशि को फ्रीज करने की दर 16.13 प्रतिशत से बढ़कर 23.43 प्रतिशत हो गई, जो वित्तीय रिकवरी में महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाती है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ बड़े स्तर पर की गई कार्रवाई से न केवल हजारों बैंक खाते फ्रीज हुए हैं और ठगी गई राशि वापस मिली है, बल्कि देशभर में सक्रिय संगठित साइबर अपराध नेटवर्क का भी पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान साइबर अपराधियों के तौर-तरीकों, वित्तीय लेन-देन और अंतरराज्यीय संबंधों की पहचान करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। समय पर कार्रवाई और आधुनिक तकनीक के उपयोग से साइबर क्राइम डिवीजन ने धोखाधड़ी नेटवर्क को कमजोर किया है, नागरिकों की बचत की सुरक्षा की है तथा यह सुनिश्चित किया है कि दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए। जिलों में जालंधर कमिश्नरेट में सबसे अधिक 16, 032 बैंक खाते फ्रीज किए गए, जिससे 6, 81, 00, 323 रुपए की रिकवरी हुई। इसके बाद कपूरथला में 7, 344 खाते फ्रीज कर 2, 56, 00, 037 रुपए, होशियारपुर में 7, 201 खाते फ्रीज कर 3, 96, 29, 152 रुपए, जबकि फिरोजपुर में 6, 930 खाते फ्रीज कर 93, 16, 954 रुपए की रिकवरी की गई।

बाबरी मस्जिद के चंदे का क्या हुआ : ब्रजेश पाठक

वाराणसी (हिंस)। वाराणसी में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उपस्थित उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि श्रीराम मंदिर में संदिग्ध चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। जो भी जांच होगी, निष्पक्ष होगी। जो लोग उंगली उठा रहे हैं उनसे पूछना चाहिए कि बाबरी मस्जिद के चंदे का क्या हुआ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि किसी भी मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच होने तक बहुत कुछ कहना ठीक नहीं है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने एसआईटी बनाई और उसने अपनी रिपोर्ट कॉपी सौंपी है। इसके बाद आगे एफआईआर और अन्य कार्रवाई हो रही है।

भारत की संस्कृति ही विश्व की समस्याओं का समाधान, अपनी विरासत पर करें गर्व : रामाशीष सिंह

सीवान (हिंस)। दयानंद आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, सीवान में चेतना (प्रज्ञा प्रवाह) की जिला इकाई द्वारा *भारत बोध और सांस्कृतिक अवधारणा* विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और उसके वैश्विक महत्व पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं प्रचारक रामाशीष सिंह ने कहा कि दुनिया में वास्तविक अर्थों में धर्म की अवधारणा केवल भारत में है, जबकि अन्य देशों में मजहब या रिलिजन की अवधारणा प्रचलित है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की दृष्टि मानव, प्रकृति और संपूर्ण सृष्टि के बीच समन्वय स्थापित करने वाली रही है। विभिन्न ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धरती को *मां* कहकर संबोधित करने की परंपरा भारत में सहस्रों वर्षों से चली आ रही है। विषय प्रस्तुति करते हुए डॉ. अशोक प्रियंबद ने कहा कि भारत विश्व के सबसे प्राचीन जीवंत राष्ट्रों में से एक है। इसकी सभ्यता और संस्कृति आज भी संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिन पर्यावरणीय और सामाजिक संकटों से जूझ रही है, उनका स्थायी समाधान भारतीय संस्कृति में निहित है, क्योंकि भारतीय जीवन-दर्शन प्रकृति के साथ समन्वय पर आधारित है, संघर्ष पर नहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयानंद आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के संरक्षक एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रजापति त्रिपाठी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है, जो मानवता, समरसता और विश्व बंधुत्व का संदेश देती है। आज पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति, योग और जीवनशैली की ओर आकर्षित हो रही है, इसलिए प्रत्येक भारतीय को अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

कर्बला के शहीदों को किया याद, अकीदत से मनाया मोहर्रम

जोधपुर (हिंस)। पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हसन-हुसैन सहित कर्बला के शहीदों की याद में शुक्रवार को शहर में मोहर्रम पर्व अकीदत से मनाया गया। इस अवसर पर शहर के कई स्थानों पर आस्था के प्रतीक ताजिए खड़े किए गए जिन्हें रात को उतारा गया। इन ताजियों के आसपास आज दिनभर मेले जैसा माहौल बना रहा। ताजियों पर अकीदत के फूल पेश करने के लिए मुस्लिम समाज के लोग उमड़ पड़े। यहां शीरीनी चढ़ाई गई और छबील लगाकर शरबत पिलाया गया। साथ ही हलीम बनाकर बांटा गया। मोहर्रम एकता कमेटी के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने बताया कि मोती चौक, लखारा बाजार, उम्मेद चौक, गोलनाडी, गुलजारपुरा, खांडा फलसा, नियारियों का मोहल्ला, इस्हाकिया स्कूल, शाहों का बास, मसूरिया, खेतानाडी और सूरसागर कबीर नगर आदि क्षेत्रों में करीब 27 ताजिए खड़े किए गए। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में शहादत ए शहीदे इमाम हुसैन की याद मे मस्जिदों मे तकरीरों का आयोजन के साथ हजरते इमाम हुसैन की याद में दलीम, शर्बत, खीर, दलिया चावल व अन्य सामग्री बनाकर लोगों में तकशीम कर बांटी गई। देर रात मोहर्रम अपने-अपने स्थान से उतार लिए गए और उनको अपने मुकाम पर रख दिया। उन्होंने बताया कि आज सवेरे से ही ताजियों के सामने मन्नत मांगने का सिलसिला शुरू हो गया। छोटे बच्चों को नजर नहीं लगे इसके लिए ताजियों के नीचे से निकालकर उनकी बीमारियों को दूर करने, लम्बी उम्र व खुशहाली की दुआ मांगी गई। इस मौके पर कौमी एकता, भाईचारा और सद्भाव भी नजर आया। मुसलमानों के साथ ही गैर मुस्लिमों ने भी अच्छी सेहत और दीर्घायु के लिए अपने बच्चों को ताजिए के नीचे से निकालने की परंपरा कायम रखी। ताजिए के पास लाइसेंसधारी अखाड़े के उस्तादों की सरपरस्ती में करतब दिखाए गए। युवाओं की ओर से कर्बला के शहीदों के नारे अली का लश्कर था इमाम या हुसैन, नाका ए तकबीर अल्लाह हो अकबर लगा कर माहौल में जोश भरने के साथ गमगीन बनाया गया।

खरीफ फसलों पर संकट : महाराष्ट्र और तेलंगाना में 85 फीसदी तक घटी बुवाई ; कमजोर मानसून से झटका

नई दिल्ली

मानसून की सुस्ती ने इस साल देश के बड़े कृषि उत्पादक राज्यों को चिंता में डाल दिया है। इन राज्यों में खरीफ फसलों की बुवाईपिछले साल के मुकाबले 85 फीसदी तक कम हुईहै। महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार तक महाराष्ट्र में सिर्फ 5,16,250 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई हो सकी है, जो पिछले साल के 33.8 लाख हेक्टेयर से करीब 85 फीसदी कम है। राज्य के सामान्य खरीफ क्षेत्र (157.5 लाख हेक्टेयर) का अभी तक सिर्फ 3 फीसदी हिस्सा ही कवर हो पाया है। महाराष्ट्र में बारिश तो शुरू हो गई है, लेकिन कमी अभी तक पूरी नहीं हुई है। राज्य में एक से 24 जून के दौरान सामान्य से 63 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। जलाशयों में पानी का स्तर घटकर 23 फीसदी रह गया है, जो पिछले साल 40 फीसदी था। राज्य में धान का रकबा 58,583 हेक्टेयर से घटकर 29,525 हेक्टेयर, मक्का 3.66 लाख हेक्टेयर से गिरकर 30,428 हेक्टेयर और बाजरा 1.08 लाख हेक्टेयर से घटकर 2,743 हेक्टेयर रह गया है। सोयाबीन का रकबा 11.5 लाख हेक्टेयर से घटकर सिर्फ 60,441 हेक्टेयर पर आ गया है। कपास की बुवाई भी 11.5 लाख हेक्टेयर से घटकर 3,40,817 हेक्टेयर रह गई है। वहीं, तेलंगाना में 14.8 लाख एकड़ में बुवाई हुई है, जो पिछले साल के 28.4 लाख एकड़ से 48 फीसदी कम है। यह सामान्य सीजन क्षेत्र 132.4 लाख एकड़ का 11 फीसदी ही है। प्रदेश में जून में अब तक 84.6 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 17 फीसदी कम है। हालांकि, जलाशयों में पानी का स्तर पिछले साल से बेहतर है।

ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री में आ सकती है गिरावट – ट्रैक्टर और एंट्री-लेवल दोपहिया बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में बिक्री मजबूत रही थी, लेकिन खेती की इस सुस्ती के कारण साल का अंत मामूली बढ़त या गिरावट के साथ हो सकता है। ग्रामीण मांग कमजोर होने के कारण प्रीमियम पर्सनल केयर, पैकेज्ड स्नैक्स, गर्म पेय पदार्थ और होम इंप्रूवमेंट से जुड़े सामानों की बिक्री पर बड़ी मार पड़ सकती है। हालांकि, खाद्य और जरूरी वस्तुओं की बिक्री पर इसका बड़ा असर नहीं पड़ने का अनुमान है।

राजस्थान में 20% हिस्सा कवर – राजस्थान में सोमवार तक 32.78 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है, जो पिछले साल के 32.84 लाख हेक्टेयर के लगभग बराबर है। राज्य के सामान्य क्षेत्र 164.1 लाख हेक्टेयर का 20 फीसद हिस्सा कवर हो चुका है।

न्यूज ब्रीफ

एआई से उपजे साइबर खतरों से निपटने सरकार बनाएगी एकीकृत कमांड सेंटर

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एंथ्रोपिक के क्लाड मिथोस जैसे माडलों से उत्पन्न साइबर सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार एक सशक्त और एकीकृत कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कदम एआई से जुड़े नए खतरों के प्रति देश की नीतिगत प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। यह नई संस्था इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन काम करेगी। इसका मुख्य कार्य एआई खतरों पर नीतिगत प्रतिक्रिया और केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, सरकार को एकीकृत कमांड सेंटर की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि फ्रंटियर एआई से उत्पन्न खतरों पर प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम होगा और जोखिम तेजी से बढ़ेंगे। सरकार का मानना है कि इन नए माडलों से निपटने के लिए एक एकीकृत नीति प्रतिक्रिया आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नए संगठन में सरकार, शिक्षाविद और नई एआई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आईटी मंत्रालय के नए एआई कानून से इस केंद्र को अधिकार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, सरकार उन कुछ कंपनियों से भी संपर्क कर रही है जिनके पास क्लाड सुरक्षा पहुंच है, ताकि वे अपने नतीजों को उद्योग के साथ साझा करें।

अप्रिलिया ने लांच किए नए ट्रिब्यूट एडिशन माडल

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में अप्रिलिया कंपनी ने 2 स्पोर्टी स्कूटरों, एसआर 125 और एसआर 175 के नए ट्रिब्यूट एडिशन माडल लान्च कर दिए हैं। दिल्ली में इनकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.17 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि रंग और डिजाइन में बदलाव के अलावा इन स्कूटर्स के यांत्रिक फीचर्स में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है इन खास स्कूटर्स को कैमलाज लिवरी के साथ पेश किया गया है, जो उन्हें एक विशिष्ट और आकर्षक रूप प्रदान करता है। डिजाइन की बात करें तो, दोनों ही माडलों को मैट-फिनिश के साथ गहरे मिलिट्री ग्रीन बेस रंग में रंगा गया है, जिससे उनका स्पोर्टी अपील और भी निखर कर आता है। स्कूटर के फ्रंट एप्रन और साइड प्रोफाइल पर पीले और नारंगी रंग की आकर्षक पट्टियां दी गई हैं, जो उनकी पहचान को और मजबूत करती हैं। इसके अतिरिक्त, इनके 14-इंच के पहियों पर लाल रंग की पट्टी की निरंतरता बरकरार रखी गई है, जो समग्र डिजाइन में एक डायनामिक टच जोड़ती है। डिजाइन और रंगों का यह संयोजन एसआर 175 और एसआर 125 दोनों में समान है, जिससे एक एकजुट ट्रिब्यूट थीम मिलती है। पावरट्रेन की बात करें तो, अप्रिलिया एसआर 125 में 124 सीसी का सिंगल-सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन लगा है, जो 10.6 हार्सपावर की शक्ति और 10.4 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है। वहीं, बड़े माडल अप्रिलिया एसआर 175 में 174 सीसी का सिंगल-सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 13.2 हार्सपावर की अधिक शक्ति और 14.1 न्यूटन मीटर का टार्क प्रदान करता है।

एमेजान का भारत में 13 अरब डालर का नया निवेश, कुल नियोजित निवेश 48 अरब डालर पहुंचा

नई दिल्ली। वैश्विक ई-कामर्स दिग्गज एमेजान ने भारत में अपने निवेश को और गति देने का ऐलान किया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद 13 अरब डालर (लगभग 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक) के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की। इस नई घोषणा के साथ, वर्ष 2030 तक भारत में एमेजान का कुल नियोजित निवेश लगभग 48 अरब डालर हो जाएगा। एंडी जेसी इस समय भारत दौरे पर हैं और उन्होंने राजधानी में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद इस बड़े निवेश का ऐलान किया। कंपनी ने छह महीने पहले 2030 तक भारत में अपने सभी कारोबारों में 35 अरब डालर के निवेश की घोषणा की थी, जिसमें अब यह अतिरिक्त 13 अरब डालर शामिल हो गए हैं। कुल 48 अरब डालर के इस निवेश में से, कंपनी लगभग 21 अरब डालर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड अवसंरचना के विस्तार पर खर्च करेगी।

आटो सेक्टर में बंपर बिक्री की उम्मीद, जून में दिखेगी रौनक

कारों की डिमांड ज्यादा, 20 फीसदी से अधिक ग्रोथ के आसार

आसान लोन और नए माडल्स ने बढ़ाया उत्साह

टाटा मोटर्स और महिंद्रा में सबसे बड़ी बढ़त की उम्मीद

नई दिल्ली

जून महीना भारतीय आटो उद्योग के लिए अच्छी खबर लेकर आया है। एक ब्रोकरेज की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, नई गाड़ियों की मजबूत मांग, ग्राहकों के लिए आसान वाहन ऋण और निर्यात में उल्लेखनीय सुधार के चलते जून में वाहन कंपनियों की बिक्री में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यात्री वाहन, दोपहिया, कमर्शियल वाहन और ट्रैक्टर, सभी प्रमुख श्रेणियों में बिक्री में वृद्धि का अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जून में कारों की बिक्री 20 फीसदी से अधिक बढ़ सकती है।

लोगों के लिए वाहन खरीदना पहले से आसान हुआ है, बाजार में नए माडलों की उपलब्धता बढ़ी है और आसान फाइनेंस विकल्प इसकी प्रमुख वजह होंगे। टाटा मोटर्स की कारों की बिक्री में करीब 55 फीसदी, महिंद्रा में 24 फीसदी, मारुति सुजुकी में 10 फीसदी और हुंडई की बिक्री में लगभग 1 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। दोपहिया वाहन: दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। शादी-ब्याह का सीजन, सुलभ लोन और अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी बाजारों में बढ़ता निर्यात इस श्रेणी को रफ्तार देगा। नुवामा का अनुमान है कि टीवीएस मोटर की बिक्री में लगभग 29 फीसदी, रायल एनफील्ड की 28 फीसदी और बजाज आटो की 22 फीसदी की वृद्धि संभावित है। हालांकि, हीरो मोटोकार्प की बिक्री पिछले साल के उच्च आधार के कारण करीब 2 फीसदी घट सकती है। ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन भी रहेंगे मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार, किसानों के पास बढ़ती नकदी और आसान ऋण उपलब्धता के चलते ट्रैक्टरों की बिक्री में भी 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, डीजल की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ा सकती हैं। वहीं, कमर्शियल वाहन (ट्रक और बस) सेगमेंट भी मजबूत प्रदर्शन करेगा, जिसमें टाटा मोटर्स अपने नए और कम खर्च वाले माडलों के दम पर सबसे बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। ज्यादातर वाहन कंपनियों के निर्यात में भी सुधार देखने को मिलेगा, जिससे कुल बिक्री आंकड़ों को और मजबूती मिलेगी।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लान्च करने की योजना

नई दिल्ली । वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लान्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रासओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रान्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लान्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (।।श्व1द्ब) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफार्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है। कंपनी अपनी लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक, चौथी पीढ़ी की आई20 को भी पेश करेगी, जिसमें नया तेज डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और बेहतर सुरक्षा मिलेगी, जो 2027 में आ सकती है।

कोडियाक आरएस की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली

गुणवत्तायुक्त कार निर्माता कंपनी स्कोडा ने अपनी उच्च-प्रदर्शन वाली एसयूवी, कोडियाक आरएस की बुकिंग शुरू कर दी है। अनुमान है कि इसकी कीमत लगभग 55 से 60 लाख रुपये के बीच हो सकती है। तीन लाख रुपये की आरंभिक बुकिंग राशि के साथ, यह वाहन भारत में केवल 50 इकाइयों की सीमित संख्या में उपलब्ध होगा, जो इसे विशेष ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

यह पहली बार है जब स्कोडा भारत में आक्टाविया आरएस के अलावा किसी अन्य आरएस माडल को आधिकारिक तौर पर पेश कर रही है, जिससे वाहन प्रेमियों में काफी उत्साह है।

नई कोडियाक आरएस में वही दमदार दो लीटर, चार-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है जो आक्टाविया आरएस में भी मिलता है, लेकिन यहां इसे 265 अश्वशक्ति और 400 न्यूटन मीटर टार्क के साथ अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। यह इंजन सात-गति वाले स्वचालित द्वि-क्लच गियरबाक्स और आल-व्हील-ड्राइव प्रणाली से लैस है, जो इसे शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार मात्र 6.3 सेकंड में प्राप्त करने में मदद करता है। इसकी अधिकतम गति 231 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो इसके खेल-उन्मुख प्रदर्शन को उजागर करती है। वाहन में उन्नत अनुकूली सस्पेंशन प्रणाली दी गई है, जिसे चालक 15 स्तरों तक समायोजित कर सकता है, साथ ही इसमें ईको, स्पोर्ट और स्नो जैसे विभिन्न ड्राइविंग मोड भी उपलब्ध हैं।

बाहरी डिजाइन को सामान्य कोडियाक से अधिक आक्रामक बनाया गया है, जिसमें नए बंपर, चमकदार काले सजावटी तत्व, आरएस प्रतीक चिन्ह और 20 इंच के मिश्रधातु पहिए शामिल हैं। केबिन में काले रंग की थीम के साथ लाल सिलाई, आरएस स्टीयरिंग व्हील और आरामदायक स्पोर्ट सीटें मिलती हैं, जो सात सीटों के साथ प्रीमियम और स्पोर्टी अनुभव प्रदान करती हैं। सुविधाओं में लगभग 13 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल चालक डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, तीन-क्षेत्रीय तापमान नियंत्रण, और वेंटिलेशन व मसाज वाली इलेक्ट्रिक सीटें शामिल हैं। सुरक्षा के लिए इसमें नौ एयरबैग और उन्नत चालक सहायता प्रणालियां (एडीएएस) भी मौजूद हैं।

ईवी कारें हो सकती है महंगी, रीसाइक्लिंग नियमों पर सायम ने जताई चिंता

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (सायम) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को आगाह किया है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित बैटरी रीसाइक्लिंग लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं। संगठन का मानना है कि इन सख्त नियमों से देश में ईवी की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। सायम ने पिछले साल नवंबर में सीपीसीबी को भेजे पत्र और हाल ही में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक में अपनी चिंताएं रखी। उनका कहना है कि मौजूदा नियमों को मानने से औसतन 35-40 किलोवाट घंटे वाली इलेक्ट्रिक कार बैटरी की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है, जिसमें बैटरी संग्रह, भंडारण और हैंडलिंग का खर्च अलग से होगा। सायम का मुख्य तर्क यह है कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत वाहन विनिर्माताओं को 8 साल के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियां (जो अंततः 82 फीसदी तक बढ़ेंगी) एकत्र करनी होंगी। जबकि लीथियम आयरन फास्फेट (एलएफपी) बैटरियों की उम्र काफी लंबी होती है।

मुंबई पोर्ट का 3500 करोड़ से अधिक का मेगा प्लान क्षमता विस्तार और राजस्व विविधीकरण पर जोर

नई दिल्ली

मुंबई पोर्ट प्राधिकरण (एमबीपीए) ने अपने 154वें स्थापना दिवस पर 3,541 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का अनावरण किया है। इन पहलों का लक्ष्य कार्गो-हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना, गैर-पोर्ट राजस्व धाराओं को मजबूत करना और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल भी उपस्थित थे।

एमबीपीए की इन परियोजनाओं में बर्थ का आधुनिकीकरण, कनेक्टिविटी अपग्रेडेशन, एक मरीना का विकास और वाटरफ्रंट सौंदर्यीकरण शामिल हैं। घोषित 3,541.29 करोड़ रुपये के निवेश के अतिरिक्त, 132.29 करोड़ रुपये की सात परियोजनाएं उद्घाटन के लिए तैयार हैं, जबकि 1,354.59 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। प्रमुख पहलों में इंदिरा डाक पर बर्थ का आधुनिकीकरण, कार्गो भंडारण सुविधाओं का विस्तार, क्रूड आयल बर्थ की क्षमता वृद्धि, रूफटाप सोलर पैनल की स्थापना और डिजिटलीकरण परियोजनाएं शामिल हैं।

बंदरगाह ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंबई मरीना और एक वाटरफ्रंट प्रोजेक्ट

विकसित करने की भी योजना बनाई है। अपनी संपत्ति मुद्रीकरण रणनीति के तहत, मुंबई पोर्ट प्राधिकरण ने इंदिरा डाक पर बर्थ क्लस्टर्स के संचालन और रखरखाव के लिए समझौते भी किए।

पहले क्लस्टर (10 बर्थ) को जे एम बक्शी पोर्ट्स ऐंड लाजिस्टिक्स को 10 वर्षों के लिए 770 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ आवंटित किया गया है, जबकि दूसरे क्लस्टर (11 बर्थ) को एम डिनशा ऐंड कंपनी को 217 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दिया गया है। एमबीपीए अध्यक्ष डा. एम अंगमुथु ने मुंबई पोर्ट को व्यापक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के रूप रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, शीर्ष पदों तक पहुंच पर अब भी चुनौती

नई दिल्ली

रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। अब महिलाएं केवल घर खरीदने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डेवलपर, आर्किटेक्ट, उद्यमी और प्रापटेक विशेषज्ञ के रूप में भी अपनी पहचान बना रही हैं। इसके बावजूद फैसले लेने वाले शीर्ष पदों और नेतृत्व की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी सीमित है।

एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में केवल 1 से 2 फीसदी महिलाएं ही नेतृत्व पदों तक हैं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल आबादी में

महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 48.5 फीसदी है, लेकिन निर्माण क्षेत्र में कार्यरत 7.1 करोड़ लोगों में उनकी भागीदारी केवल 10 फीसदी के आसपास है।

हालांकि रियल एस्टेट से जुड़े कई पेशों में शुरुआती स्तर पर महिलाओं की भागीदारी 40 से 45 फीसदी तक पहुंच चुकी है, लेकिन करियर के मध्य चरण में बड़ी संख्या में महिलाएं कई कारणों से क्षेत्र छोड़ देती हैं। इसका सीधा असर वरिष्ठ प्रबंधन और नेतृत्व पदों पर उनकी संख्या में दिखाई देता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं की ज्यादा भागीदारी केवल समानता का मुद्दा नहीं है, बल्कि उद्योग के सतत विकास और देश की आर्थिक प्रगति के लिए भी जरुरी है। नारेडको माही की अध्यक्ष स्मिता पाटिल का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है।

वहीं जेएलएल इंडिया में गवर्नमेंट एडवाइजरी और इंफ्रास्ट्रक्चर साल्यूशंस के प्रमुख ए शंकर के मुताबिक रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के नेतृत्व पदों तक पहुंचने में कई बाधाएं मौजूद हैं। इनमें वेतन असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को पुरुषों की तुलना में 30 से 40 फीसदी तक कम वेतन मिलता है। निर्माण क्षेत्र में महिला श्रमिकों की औसत दैनिक आय 412 रुपए बताई गई है, जबकि पुरुष श्रमिकों की आय इससे काफी ज्यादा है। इसके अलावा सीमित पदोन्नति अवसर, सामाजिक सुरक्षा का अभाव, बच्चों की देखभाल की सुविधाओं की कमी और कार्यस्थल से जुड़ी चुनौतियां भी महिलाओं की प्रगति में बाधक बनती हैं।

महिला टी20 विश्व कप : ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल

ताजमिन ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ड्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की।

209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इस जीत के बाद ग्रुप ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है।

दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच प्रो लीगः शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

लंदन। एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हाकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए। मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थामस सोरसबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील का अंतिम 32 में जापान से होगा सामना

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 का एक और मुकाबला तय हो गया है। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील अब नाकआउट चरण में जापान से भिड़ेगा। यह मुकाबला 29 जून को अमेरिका के ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे होगी। जापान ने ग्रुप एफ के अपने अंतिम मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर चार अंक हासिल किए और नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में जगह बनाई। दूसरी ओर, ब्राजील ने ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रा के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर नाकआउट चरण में प्रवेश किया। ब्राजील के ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाला मोरक्को अब अंतिम 32 में नीदरलैंड का सामना करेगा। ब्राजील और जापान के बीच पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में हुई थी, जिसमें जापान ने 3-2 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। यह 14 मुकाबलों में ब्राजील के खिलाफ जापान की पहली जीत थी। हालांकि विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों की अब तक केवल एक बार टक्कर हुई है। वर्ष 2006 के विश्व कप में ब्राजील ने जापान को 4-1 से हराया था।

फीफा विश्व कप 2026 : जर्मनी को 2-1 से हराकर इक्वाडोर ने अंतिम 32 में बनाई जगह

न्यूयार्क। इक्वाडोर ने शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 में प्रवेश कर लिया।

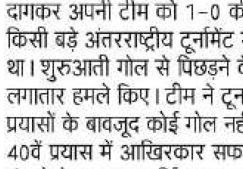

जीत की सख्त जरूरत के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अमेरिकी टीम ने शुरुआती झटके के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जर्मनी ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और दूसरे ही मिनट में लेराय साने ने गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में साने का पहला गोल था। शुरुआती गोल से पिछड़ने के बाद इक्वाडोर ने लगातार हमले किए। टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले 39 प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं किया था, लेकिन 40वें प्रयास में आखिरकार सफलता मिली। निल्सन एंगुलो ने शानदार कर्लिंग शाट लगाकर गेंद को गोलकीपर मैनुअल नोयर के पास से जाल में पहुंचा दिया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद इक्वाडोर का आत्मविश्वास बढ़ गया। मैच के 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जर्मनी ने बराबरी की भरसक कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर के मजबूत रक्षण ने उसे कोई मौका नहीं दिया।

लंदन जैनिक सिनर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर उतरते ही रचेंगे इतिहास

लंदन

अगले सप्ताह 29 जून को शुरु हो रही विंबलडन टेनिकस चैंपियनशिप में इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर अपना पहला मैच खेलते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेंगे। विंबलडन में सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना टेनिस के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है और मौजूदा चैम्पियन होने के कारण इस बार सिनर को ये सम्मान मिलेगा। वह ये सम्मान हासिल करने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्होंने पिछले साल एकल खिताब जीतकर यह अधिकार हासिल किया है कि वह आगामी 2026 चैंपियनशिप की शुरुआत करेंगे।

सिनर ने इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए सेंटर कोर्ट पर खेल की शुरुआत करना रोमांचक पल होगा। यहाँ का माहौल अनोखा है, दुनिया भर के टेनिस कोर्ट पर मिलने वाले किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं चैंपियनशिप के पहले मैच के लिए उस लान और उस स्टेडियम में कदम रखूंगा। यह सम्मान सिनर की करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, जो उन्हें इटालियन टेनिस इतिहास में एक विशेष स्थान दिलाती है।

सिनर की ही तरह पोलैंड की महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक भी अपनी करियर की सबसे यादगार जीतों में से एक वाली जगह पर लौटेंगी और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगी। स्वियातेक के संयम और अटूट लगन की बदौलत ही वह पिछले साल वीनस रोज़वाटर डिश जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनीं। स्वियातेक अपनी इस बड़ी उपलब्धि को याद करते हुए कहती हैं, ट्राफी उठाना शब्दों से परे का अनुभव था, क्योंकि ग्रास कोर्ट के हिसाब से अपने खेल को ढालना एक लंबी प्रक्रिया रही है। मैंने अपने फुटवर्क को बेहतर बनाने, कोर्ट पर अपनी पोज़िशन को लेकर ज्यादा आक्रामक होने और गेंद को जल्दी हिट करने के लिए अपनी सहज समझ पर भरोसा करने पर ध्यान दिया। मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाने पर गर्व है और मेरी यात्रा के दौरान मुझ पर दिखाए गए भरोसे और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं। गौरतलब है कि विंबलडन चैंपियनशिप का समृद्ध इतिहास रहा है, और यह खेल के कई दिग्गजों का घर रहा है। 1978 में विंबलडन में टेनिस के साथ रोलेक्स का रिश्ता शुरू होने के बाद से, रोलेक्स परिवार के कई सदस्यों ने टेनिस के इस आध्यात्मिक घर पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। ब्योर्न बोर्ग और क्रिस एवर्ट के शुरुआती बेसलाइन गेम से लेकर स्टीफन एडबर्ग और पैट राफ्टर के सटीक सर्व-एंड-वाली स्टाइल और हाल ही में रोजर फेडरर के शानदार सिंगल-हैंडेड बैकहैंड तक, टूर्नामेंट के इन दिग्गजों ने ग्रास-कोर्ट पर अपना हुनर दिखाया है और खेल को लगातार आगे बढ़ाया है।

पावर-हिटिंग और कौशल विकास के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों को अमेरिका भेजेंगे : हेसन

लाहौर। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि पाकिस्तान बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और समग्र कौशल विकास के लिए अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। हेसन के अनुसार ये पहल उभरते हुए क्रिकेटरों को नये माहौल में प्रशिक्षित कर उनकी फिटनेस और खेल को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। साथ ही कहा कि यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। हैसन के अनुसार इसे पाक क्रिकेट में बड़े बदलाव का प्रयास भी माना जा सकता है। हेसन ने बताया है कि बोर्ड इस मामले में बातचीत कर रहा है। कोच के अनुसारी कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ खिलाड़ियों की अनजान माहौल में पावर-हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की फ़िटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है। हेसन ने कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर-हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर-हिटिंग के अलग-अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताज़ा विचार सीख सकें हेसन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि यह प्रोग्राम सिर्फ़ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। इससे पहले पीसीबी के स्पोर्ट्स और एक्सरसाइज मेडिसिन डायरेक्टर, डा. जावेद मुगल ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट में फ़िटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और इसी को देखते हुए पीसीबी ने एक मजबूत, भरोसेमंद और बार-बार इस्तेमाल की जा सकने वाली टेस्टिंग और स्क्रीनिंग प्रक्रिया तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है। हेसन ने कहा कि यह निश्चित रूप से सिर्फ़ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि जावेद खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उनके मूल्यांकन (असेसमेंट) के तरीके को बदल रहे हैं।

फीफा विश्व कप : पैराग्वे से गोलरहित ड्रा खेलकर आस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने पैराग्वे के खिलाफ 0-0 से ड्रा खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ आस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा।

सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही आस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरुआती एकादश में छह बदलाव किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया।

मैच के शुरुआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर आरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जार्डन बास और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन आस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी।

दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार आस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शाट गोलपोस्ट के बाहर चला गया।

मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए। 89वें मिनट में जार्डन बास का तेज़ शाट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया। वहीं मौरिसियो के अंतिम प्रयास को आस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने आसानी से रोक लिया।

इस ड्रा के साथ आस्ट्रेलिया सात अंकों के साथ ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए नाकआउट चरण में पहुंच गया। अब उसका मुकाबला ग्रुप जी की उपविजेता टीम से होगा। दूसरी ओर, चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा पैराग्वे अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होने की उम्मीद लगाए बैठा है।

महिला टी20 विश्व कपः भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी मजबूत की

लंदन। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की आक्रामक अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत की हैं। इस मैच में बांग्लादेश ने भारतीय टीम को जीत के लिए 137 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने केवल 16.5 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की है। शेफाली वर्मा ने केवल 34 गेंदों में ही 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 53 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी केवल 15 गेंदों में 26 रन बना दिये। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की ओर से रितु मोनी ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों में छह अंकों के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब भारतीय टीम को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने अंतिम मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा। भारतीय टीम का ग्रुप स्तर का ये अंतिम मुकाबला रविवार को आस्ट्रेलिया से होगा। अगर भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से हारी तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहन होगा।

फीफा विश्व कप: तुर्किये ने अतिरिक्त समय में गोल कर अमेरिका को 3-2 से हराया

लास एंजिलिस

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के औपचारिक मुकाबले में शुक्रवार को तुर्किये ने अतिरिक्त समय में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सह-मेजबान अमेरिका को 3-2 से हरा दिया। पहले ही ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में पहुंच चुका अमेरिका अपनी लगातार तीसरी जीत की तलाश में था, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुका तुर्किये सम्मान बचाने के इरादे से मैदान में उतरा।

अमेरिका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। तीसरे मिनट में आस्टन ट्रस्टी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप में अमेरिका के लिए दूसरा सबसे तेज गोल भी रहा।

हालांकि तुर्किये ने जल्द ही वापसी की। 10वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अर्दा गुलर ने शानदार फिनिश करते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद 31वें मिनट में एरेन एलमाली के शानदार मूव पर बारिस अल्पर यिलमाज ने गोल कर तुर्किये को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका ने बराबरी हासिल कर ली। 49वें मिनट में सेबास्टियन बेरहाल्टर ने दमदार शाट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

इसके बाद अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को मैदान पर उतारा गया, जिन्होंने वापसी के बाद कई अच्छे आक्रमण किए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। दूसरी ओर तुर्किये भी लगातार दबाव बनाता रहा।

जब मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी अतिरिक्त समय में कान आयहान ने नजदीक से शानदार गोल दागकर तुर्किये को 3-2 की यादगार जीत दिला दी।

हार के बावजूद अमेरिका ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहते हुए पहले ही अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर चुका था और अब उसका सामना अगले सप्ताह बोस्निया एवं हर्जेगोविना से होगा। वहीं, तुर्किये टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने में सफल रहा।

भारत के वैभव सूर्यवंशी के साथ डेब्यू कर सकते है आयरलैंड के जय

बेलफास्ट

भारत और आयरलैंड के बीच यहां होने वाले पहले टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की ओर से जहां 15 साल के वैभव सूर्यवंशी। वहीं आयरलैंड की ओर से भारतीय मूल के 29 साल के जय मूंदरा डेब्यू कर सकते हैं। वैभव जहां डेब्यू करते ही सबसे कम उम्र में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ देंगे।

वहीं तेज गेंदबाजी आलराउंडर जय आयरलैंड की जर्सी पहनकर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरेंगे। जय के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचना आसान नहीं था। एक समय ऐसा भी आया जब पढ़ाई के दबाव में उनका क्रिकेट करियर लगभग थम सा गया था। साल 2019 में कालेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद, जब उन्हें अपने भविष्य का फैसला करना था, तब कार्पोरेट नौकरी की जगह उन्होंने अपने क्रिकेट के जुनून को एक अंतिम अवसर देने का साहसिक निर्णय लिया।

जय 2021 में स्टूडेंट वीजा पर इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन में मास्टर्स डिग्री हासिल करने आयरलैंड चले गए। हालाँकि मकसद पढ़ाई का था पर उनके भीतर का क्रिकेटर अभी भी पूरी तरह से जीवित था। डबलिन के प्रतिष्ठित लेन्स्टर क्रिकेट क्लब से जुड़ते ही उनकी किस्मत ने यू-टर्न लिया। उन्होंने आयरलैंड के घरेलू क्रिकेट में सभी को प्रभावित किया। इसके साथ ही साल 2023 में लेन्स्टर क्लब को आयरिश सीनियर कप जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने उन्हें चयनकर्ताओं की नज़रों में आ गये।

आयरलैंड टीम में चुने जाने की खबर जय के लिए बेहद भावुक कर देने वाला पल था, क्योंकि एक समय उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर पूरी तरह खत्म हो चुका है। जय ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलना हमेशा से एक सपना था और वे इस मौके के लिए बेहद आभारी हैं।

उनकी क्रिकेटिंग यात्रा भी कई दिलचस्प मोड़ लेती है। शुरुआत में एक तेज गेंदबाज, फिर 16 साल की उम्र तक आते-आते टाप-आर्डर बल्लेबाज और बाएं हाथ के स्पिनर।

कालेज में टेनिस बाल से खेलते हुए उन्होंने अपनी खोई हुई गति को फिर से पाया और दोबारा तेज गेंदबाजी की तरफ लौटे। भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है, और जय इसे बखूबी समझते हैं। उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ खेलना एक अलग ही स्तर का अनुभव है।

यह एक बड़ी चुनौती होगी, लेकिन दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ प्रदर्शन करना कुछ बेहद खास और यादगार होगा। बेलफास्ट में होने वाले पहले टी20 मैच में जहाँ भारतीय फैंस अपने युवा सितारों को देखेंगे, वहीं 29 वर्षीय जय मूदरा इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे।

हर महिला खूबसूरत दिखने के लिए हजारों उपाय करती है, लेकिन कई बार कुछ महिलाओं की नाक का शेप सही नहीं होता जैसा कि वे चाहती हैं तो वे इसको सही शेप देने और तीखी दिखाने के लिए सर्जरी तक का सहारा ले लेती हैं पर रिजल्ट उतना अच्छा नहीं मिलता। महिलाएं अपनी नाक को सही लुक देने के लिए मेकअप या फिर एक्सरसाइज का प्रयोग भी कर सकती हैं। इनके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होते हैं।

नाक को कैसे दें परफैक्ट शेप...?

नारी सौंदर्य का सबसे बड़ा पैमाना चेहरा ही है। सुंदर आंखें, गुलाबी होंठ, मोतियों कि तरह चमचमाते दांत और सबसे ऊपर बालों का शानदार अंदाज, नारी सौंदर्य का प्रमुख आकर्षण होते हैं। लेकिन चेहरे का एक और हिस्सा है, जो चेहरे कि खूबसूरती में बेहद मायने रखता है, वह है नाक। जी हाँ, नाक चेहरे का वह हिस्सा है, जिस पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है, और अगर किसी की नाक कि संरचना सही न हो, फिर तो आंखे, होंठ, और गाल कितने भी सुंदर हो, बात बिगड़ ही जाती है। आज भी परिवारों में महिलाएं नई बहु देखने के लिए जाती है तो, सबसे पहले उनका ध्यान नाक पर ही जाता है। नाक सीधी है, छोटी है, नुकीली है, या ज्यादा पसरी है, ये सारी बातें काफी मायने रखती हैं। कई बार तो सिर्फ लड़की कि नाक कि वजह से रिश्ता बनते-बनते रह जाता है। हमें लगता है, कि नाक कि संरचना कुदरत कि देन है, इसे अब सुधारा नहीं जा सकता है। इस भ्रम से निकलने कि जरूरत है। सही है कि नाक कुदरत कि देन है, लेकिन फिर भी कई ऐसे व्यायाम हैं, जिन्हें नित्य करने से नाक को मनचाहा आकार दिया जा सकता है। इसलिए अब कुदरत को कोसना छोड़िए क्योंकि नाक अब भी तीखी और नुकीली हो सकती है। इसके लिए घर पर ही कुछ व्यायाम आजमाना होंगे, जिन्हें करना तनिक भी मुश्किल नहीं होगा।

मेकअप का सहारा

आपका हेयरकट आपकी नाक की शेप को बदल सकता है। दरअसल आपका हेयरकट आपकी नाक की कमी को छुपा सकता है। यह तरीका आसान भी और किफायती भी। बस हेयरकट कराने से पहले एक बार एक्सपर्ट से सलाह लें। अगर आपको अपनी नाक को लंबा दिखाना है तो नाक के नीचे तथा जहां नाक खत्म होती है उसके निचले हिस्से की स्किन को हाइलाइट करें। इसी तरह नाक की चौड़ाई को ज्यादा दिखाने के लिए नाक के दोनों ओर हाइलाइटर का उपयोग करें और इसे अच्छी तरह बाकी के फाउंडेशन से मिला लें। नाक के मध्य भाग तक एक पतली और लंबी नीचे तक जाती हुई लाइन बनाने के लिए एक पतले ब्रश का उपयोग करें। इस लाइन को बहुत मोटा न बनाएं अन्यथा नाक बहुत चौड़ी दिखेगी। फैन व एंगल्ड ब्रश नाक को हाईलाइट करने के लिए यूज करते हैं

चौड़ी नाक

चौड़ी नाक को पतला दिखाने के लिए गाढ़े फाउण्डेशन को नाक पर लगाएं। नाक के नथुनों के ऊपर नाक की हड्डी की दिशा मे मिला लें। बाकी चेहरे पर लगाए जाने वाले पाउडर से एक शेड गहरा पाउडर नाक पर लगाएं। एक छोटे, फ्लफी ब्रश से थोड़ा ब्रोंजर अपनी नाक के किनारों पर लगाएं। नाक के किनारों से नीचे और बाहर की और इसे मिलाएं। इससे नाक पतली दिखेगी।

सुंदर नोजपिन

नाक छिदवाने और नोजपिन डालने के बढ़ते प्रचलन के चलते आजकल बाजार में कई तरह की सुंदर नोजपिन और छोटी बाली मिलने लगी है। ये सस्ती मंहगी हर रेंज में मिलती हैं। आजकल नाक में राइट या लेफ्ट या नाक के बीच में पीयरिंग का फैशन चल रहा है आप भी नाक की खूबसूरती बढ़ाने के लिए ट्राय कर सकती हैं। नाक खास अंगों में शामिल है तो इसकी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आपको इसे संवारना चाहिए।

फैली हुई नाक

फैली हुई नाक को सुडौल बनाने के लिए नाक के किनारों पर चटख रंग का ब्लशर या फाउंडेशन लगाएं। नाक के दोनों ओर कॉर्नर पर डार्क फाउंडेशन व सेंट्रल एरिया पर लाइट फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। फिर हाइलाइटर को नाक की हड्डी की लंबाई तक लगाएं और एक शेड गहरे कंसीलर से उसे मिलाएं। नाक के दोनों साइड पर हल्के रंग के कंसीलर लगाएं। अच्छी तरह ब्लेंड करें। ब्लेंडिंग ब्रश का सही चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके प्रयोग के बिना त्वचा काफी बुरी तरह असमान प्रतीत होगी। ब्लेंडिंग ब्रश की सहायता से आप फाउंडेशन को अच्छे से चेहरे के साथ मिला सकती हैं, जिससे कि उस पर लुक प्राकृतिक लगे। आप ब्लेंडिंग के कार्य को पूरा करने के लिए ब्रश या उंगलियों की सहायता भी ले सकती हैं। मैट ब्रोन्जर का इस्तेमाल करें। ब्रोन्जर का इस्तेमाल चेहरे को कॉन्टूर करने के लिए किया जाता है, न कि उसे हाईलाइट करने के लिए। इसलिए आपका ब्रोन्ज मैट होना चाहिए।

नाक की मालिश

नाक को खूबसूरत आकार में लाने के लिए मालिश बेहद आवश्यक है। रोजाना कम से कम पांच मिनट तक किसी अच्छे प्राकृतिक तेल से मालिश करें। इसके लिए आप सरसों का तेल, बादाम का तेल, नारियल तेल, या कोई अन्य अपनी मनपसंद का सुगन्धित तेल आजमा सकती हैं। अपनी अंगुलियों कि मदद से नाक पर मालिश ऊपर से लेकर नीचे और दाएं से लेकर बाएं तक करें। मालिश करने के ब द सादे पानी से धोकर तौलिये से अच्छी तरह पोछ लें। एक माह तक नाक की मालिश से आपको अपने नाक में फर्क दिखने लगेगा। नाक की मालिश, माइग्रेन या सिरदर्द में भी बेहद प्रभवकारी होती है।

सांसों का व्यायाम

अगर नाक ज्यादा सतह पर पसरी हुई है और आप उसे नुकीला बनाना चाहती हैं तो सांसों का व्यायाम जरूर आजमाएं, निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। सांसों का व्यायाम एक बेहद सरल प्रक्रिया है। इसे आजमाने के लिए एक नाक को बंद कर लें और फिर दूसरी नाक से लंबी-लंबी गहरी सांसे लें। फिर अगली बार यही प्रक्रिया नाक बदल कर दोहराएं। एक दिन में कम से कम 10 बार इस व्यायाम को करें। बहुत जल्द ही नाक नुकीली होना प्रारंभ हो जाएगी साथ ही इस व्यायाम से शरीर में, विशेषकर हृदय संबंधी समस्याओं में काफी राहत मिलेगी। सांस को आवश्यकता से अधिक गहरा लेने कि कोशिश न करें।

नाक पर दबाव

जैसा कि हम सभी जानते हैं, बढ़ती उम्र के साथ कई चीजे परिवर्तित होती हैं, शरीर में हड्डियां और मांसपेशियों में भी कई बदलाव आते हैं। कई हड्डी और मांसपेशियां उम्र के साथ मजबूत होती चली जाती हैं। उम्र के साथ कई शारीरिक संरचनाएं भी परिवर्तित होती चली जाती है। अक्सर हम देखते हैं की महिलाएं अपने बच्चों को तेल से मालिश के दौरान उसकी नाक को नीचे से ऊपर की तरफ खिंचती रहती हैं, जिससे शिशु की नाक सही संरचना में ढ़ल सके, और वास्तव में इसके काफी बेहतर परिणाम भी निकलते हैं।

एक तरीका यह भी

नाक की संरचना को बेहतर और आकर्षक बनाने के लिए दिन में 15-20 बार यूं ही दो अंगुलियों से नाक की जड़ों से हलके दबाव के साथ ऊपर की तरफ लाएं। धीरे-धीरे नाक सही शक्ल लेने लगेगी। अक्सर कुछ लोगों की ऐसी आदते भी होती है, जो अपने मुंह पर हाथ फेरते समय नाक कि जड़ों से अंगुलियों को ऊपर कि तरफ लाते हैं, सामान्यतः ऐसे लोगों कि नाक काफी अच्छी होती है।

इंडियन स्किन पर सूट करते रंग...

फैशन की बात करें तो इनके रंग समय के हिसाब से बदलते रहते है और उन्हीं के अनुसार महिलाएं अपने आउफिट्स के साथ हेयरस्टाइल, फुटवियर, एक्सेसरीज, शेड्स को बदलकर स्टाइलिश रंग में रंगने की कोशिश भी करती हैं। इसमें सबसे ज्यादा रंग भरने का काम करता है बॉलीवुड का स्टाइल, जिसे देख महिलाएं, लड़कियां और लड़के उस फैशन को फुल ऑन फॉलो करते हैं। आज के समय के नए ट्रैंड की बात करें तो आजकल के फैशन में रंगों का चयन काफी अलग जलवा दिख रहा है। इसमें लोग पार्टी, फंक्शन या फिर किसी स्पेशल मौके के हिसाब से अपने कपड़ों के रंग को चयनित करते हैं, इनमें सबसे खास रंग में गोल्डन शिमरी,रानी शेड़, पैस्टल कलर आदि ये खूब ट्रैंड में चल रहे हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे रंगों के बारे में बता रहें हैं जो फैशन में काफी प्रचलित हो रहें हैं और इंडियन स्किन पर सूट करते हैं।

ब्रिक कलर

रेड और ब्राउन के मेल से बना ब्रिक कलर शेड आज के फैशन ट्रैंड में खूब पॉपुलर हो रहा है। इस रंग के गाउन हो या ठंड के दिनों के वुलेन के क्लॉथ, यह रंग हर किसी महिला के रंग पर सुंदर निखार प्रदान करता है।

रानी पिंक

रानी पिंक रंग हर भारतीय महिलाओं और लड़कियों की पहली पसंद होता है क्योंकि यह हर जगह अलग खिलकर नजर आता है और स्टाइलिश लुक भी प्रदान करता है। इस रंग के लेगिंग से लेकर सूट तक काफी अच्छे लगते हैं।

इलैक्टरिक ब्लू

इलैक्टरिक ब्लू यानी नीले रंग की आउटफिट्स आज के समय के फैशन ट्रेंड में हैं। इस रंग के कपड़ों में आप भी किसी एक्ट्रेस की तरह दिख सकती है, क्योंकि सभी प्रकार की पार्टी के समय यह रंग अलग ही खिलकर नजर आता है।

ऑलिव ग्रीन

ऑलिव ग्रीन कलर यानी डार्क ग्रीन रंग इन दिनों मार्केट में अपना अलग रंग दिखा रहा है। इस रंग के फैशन को सभी महिलाएं और लड़कियां कॉपी कर पहनना पंसद कर रहीं हैं। यह इंडियन लड़कियों की खूबसूरती पर चार चांद लगाने वाला कलर है।

गोल्डन कलर

आजकल शिमरी गोल्डन रंग के आउटफिट्स फैशन में खूब ट्रैंड में है। किसी भी बड़े फंक्शन या पार्टी में इस कलर की ड्रैस को पहनने वाली महिलाओं और लड़कियों को आज ज्यादा देखा जाता है, क्योंकि इस कलर की खूबसूरती हर महिला को स्टाइलिश लुक देती है।

ऐसे चढ़ेगा मेहंदी का रंग...

भारत में मेहंदी का इस्तेमाल तो सदियों से किया जा रहा है। कोई भी त्योहार हो मेहंदी लगाना नहीं भूलतीं। इसके अलावा शादी में भी दुल्हन को मेहंदी लगाई जाती है, क्योंकि शादी में दुल्हन को मेहंदी लगाना एक शगुन माना जाता है। कभी-कभार ऐसा होता है कि दुल्हन के हाथों पर चढ़ी मेहंदी का रंग डार्क नहीं चढ़ता, जिस वजह से हाथों पर लगी मेहंदी अच्छी नहीं लगती। इसलिए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताएंगे जिन्हें अपनाकर आप अपने मेहंदी के रंग को और भी ज्यादा गहरा कर सकती हैं। मेहंदी का रंग गहरा करने के लिए आप नींबू और चीनी का इस्तेमाल कर सकती हैं। एक कटोरी में नींबू और चीनी का घोल बना लें और मेहंदी लगाने के बाद इस घोल को रूई की मदद से मेहंदी के ऊपर लगाएं। चीनी और नींबू का घोल लगाने के बाद एक पैन में कुछ लौंग रखें। फिर ध्यान से अपनी मेहंदी वाले हाथ पैन की तरफ कर दें। धुआं मेहंदी पर लगने दें। ध्यान रखें कि हाथ जले न। ऐसा करने से चीनी-नींबू घोल भी सूख जाएगा। कोशिश करें कि मेहंदी हाथों पर 12 घंटे तक लगी रहे। अगर हाथों पर मेहंदी ज्यादा देर लगी रहेगी तो ऐसे में मेहंदी का रंग और भी गहरा उतर कर आता है। ज्यादातर लोग मेहंदी को हटाने के लिए पानी व साबुन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करने से मेहंदी का रंग गहरा नहीं हो पाता और वो बहुत जल्दी निकल जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि मेहंदी को खुद ही निकले दें या फिर हाथों से रगड़ कर छुड़ाए।

अस्थाई प्यार...

आमतौर पर पहली नजर में हमें किसी का चेहरा पसंद आ जाता है, किसी की आंखे पसंद आ जाती है, किसी का बात करने का स्टाइल पसंद आ जाता है, या किसी का व्यवहार। इसे पहली नजर का प्यार या आकर्षण कहते हैं। आकर्षण इंसान की खूबसूरती, उसके लुक्स, उसकी अदा से होता है और ज्यादातर यह एक तरफा होता है। कभी कभी दोनों ओर से भी आकर्षण होता है। कभी कभी सिर्फ क्रश बनकर रह जाता है तो कभी कभी आपसी समझ से एक रिश्ते का भी रूप ले लेता है। लेकिन आकर्षण ज्यादातर एक अस्थायी प्यार होता है जो एक साथ कई लोगों से हो सकता है। यह जरुरी नहीं कि हमें जिसके प्रति आकर्षण हो रहा है उसे भी हमारे अंदर कोई बात पसंद आ जाये या हमसे प्यार हो जाये। अगर थोड़ी बातचीत शुरू हो गयी तो हम बिना सामने वाले की इच्छा जाने उस पर अपना हक जताने लगते हैं, अधिकार जताने लगते हैं। हम सामने वाले की सोच और इच्छा जाने बिना और उसे अच्छी तरह से समझे बिना ही उससे बहुत सी ख्वाहिशें, उम्मीदें पाल लेते हैं लेकिन जब सामने वाला उन ख्वाहिशों को पूरा नहीं कर पाता है या हमारी लगाई हुई उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता है तो यह आकर्षण बहुत जल्दी खत्म भी हो जाता है।

जब प्यार की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ रही है तो समझ जाना चाहिए कि यह प्यार नहीं आकर्षण है। आकर्षण वाला प्यार बहुत जल्दी शुरू होता है और बहुत जल्दी बहुत कुछ पाने की ख्वाहिश में खत्म भी हो जाता है। आकर्षण किसी एक से नहीं होता है। यह एक साथ कई लोगों से हो सकता है। इसमें इंसान किसी एक आदमी के साथ बंधकर नहीं रहना चाहता। इसमें प्रतिबद्धता की कमी होती है। इसके उलट सच्चा प्यार कभी भी किसी को देखते ही नहीं होता। सच्चा प्यार तो एक दूसरे को जानने और समझने के बाद होता है। सच्चे प्यार में कोई जल्दबाजी नहीं होती है। इसमें एक ठहराव होता है। इसमें तो दोनों को एक दूसरे पर भरोसा होता है, एक दूसरे की कद्र होती है। सच्चा प्यार सिर्फ एक से ही होता है। सच्चा प्यार हमेशा के लिए होता है। यह कभी खत्म नहीं होता है क्योंकि ये एक दूसरे को जानने और समझने के बाद होता है।

टैटू बनवाने के बाद यूं रखें स्किन का ध्यान

यूवा पीढ़ी में आजकल टैटू बनवाने का ट्रैंड काफी देखा जाता है। लड़कियां हो या लड़के अपने शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर टैटू बनवाना पसंद करते हैं लेकिन इसके बाद अगर स्किन का सही तरीके से ध्यान न रखा जाए तो इससे बड़ी समस्या हो सकती है। आइए जानिए टैटू बनवाने के बाद किस तरह त्वचा को सुरक्षित रखा जाए ताकि कोई स्किन प्रॉब्लम न हो।

सही लोशन

टैटू बनवाने के तुरंत बाद स्किन पर दाने और धब्बे हो जाते हैं। इसके लिए कोई भी क्रीम या तेल लगाने की गलती न करें क्योंकि इससे इंफैक्शन हो सकती है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह से स्किन के हिसाब से सही लोशन लगाएं।

साबुन

इसके बाद त्वचा पर कम से कम 2-3 दिनों तक साबुन का इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें मौजूद कैमिकल्स स्किन को खराब कर सकते हैं। अगर ज्यादा जरूरी हो तो बेबी सॉप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नहाने के बाद

टैटू बनवाने के बाद जब भी नहाएं तो उस जगह को अच्छी तरह पौंछ लें क्योंकि गीला रहने की वजह से वह जगह फूल जाती है और एलर्जी हो सकती है। अगर टैटू को पौंछने पर दर्द महसूस हो रही हो तो कपड़े से हल्का पौंछ सकते हैं लेकिन ध्यान दें कि टैटू वाली जगह को जोर से न रगड़ें नहीं तो स्किन रैशेज हो सकते हैं।

धूप से बचाव

धूप में जब भी निकलें टैटू वाली जगह को अच्छे से ढकें क्योंकि धूप की किरणें पड़ने पर स्किन एलर्जी हो सकती है।

खुजली होने पर

टैटू बनवाने के 1-2 दिनों तक उस जगह पर खुजली होना स्वभाविक है। ऐसे में उस जगह पर खुजली न करें और हल्के हाथों से बेबी ऑयल लगाएं।

स्लिप डिस्क की समस्या से हैं परेशान, अपनाएं ये नुस्खे

गलत तरीके से सोने, उठने-बैठने की वजह से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी शिकायतें रहती हैं। इसमें प्रमुख समस्या है स्लिप डिस्क की। इस बीमारी में ज्यादातर डॉक्टर बेडरेस्ट की सलाह देते हैं। आज हम आपको स्लिप डिस्क से निजात पाने के लिए कुछ नुस्खे देने जा रहे हैं।

ठंडी और गर्म सिकाई- स्लिप डिस्क होने पर सिकाई करने के लिए कहा जाता है। पहले कुछ दिनों में सूजन कम करने के लिए ठंडी सिकाई की सलाह दी जाती है। इसके बाद आप दर्द वाली जगह गर्म सिकाई कर सकते हैं। दो से तीन घंटे बाद इसे प्रभावित अंग पर लगाएं।

फिजियोथेरेपी और योगा- अगर आप इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आपको फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाना चाहिए। वे बताएंगे कि दिन में होने वाली क्रियाओं को करने का सही ढंग क्या है। साथ ही आप उनसे कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज की जानकारी भी ले सकते हैं जिससे आपकी कमर को आराम मिलेगा। इसके अलावा आप योगा भी कर सकते हैं।

हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन नाम का एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो सूजन और जलन को कम करता है। स्लिप डिस्क को ठीक करने में ये एक कारगर उपाय है।

टहलना- हर तीन घंटे के अंतराल में 10-20 मिनट तक टहलने जाया करें। इस बीमारी में वॉक करना फायदेमंद सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे कि आप जरा भी झुककर ना चलें और अगर आपके पैरों में दर्द है तो इस एक्सरसाइज से दूर रहें।

मसाज-मसाज करने से आपके शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से होता है। रोज मसाज करवाने से आपको स्लिप डिस्क से राहत मिलेगी

मानसून में इन 6 जगहों पर लें घूमने का मजा

बरसात को मौसम घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय तपती धूप की भी चिंता नहीं होती और बच्चों भी ज्यादा एंज्वाय करते हैं लेकिन जब घूमने की बात होती है तो हमेशा इस बात की अलझन रहती है कि आखिर कहां पर अपनी छुट्टियां बिताई जाएं। हम आपको इसको खास मानसून के मौसम में घूमने के लिए खास जगह बता रहे हैं।

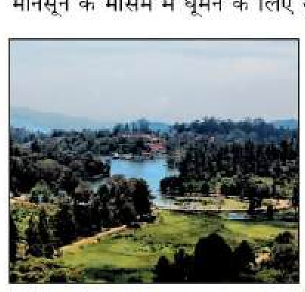

1. कोडैकनाल

मानसून में घूमने के लिए तामिलनाडू का कोडैकनाल बहुत अच्छी जगह है। यहां पर इस मौसम में सूरज और बादलों के बीच लुका-छिपी चलती रहती है। यहां पर हरा भरा जंगल और वॉटरफॉल्स बहुत खूबसूरत लगते हैं।

2,केरल

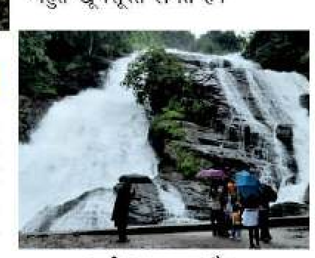

केरल कुदरती नजारों से भरपूर बहुत खूबसूरत जगह है। यहां पर इस मौसम में झरनों का आवाज और चिड़ियों का चहचाहट देख कर हर कोई खुद को प्राकृति के करीब समझता है।

3. गोआ

वैसे तो हर मौसम में यहां पर्यटकों की भीड लगी रहती है लेकिन मानसून में इस जगह की खूबसूरती बढ़ जाती है। यहां पर मानसून में कार्निवॉल का आयोजन भी

किया जाता है।

4. मसूरी

उत्तराखंड का मसूरी मानसून टूर के लिए बैस्ट है। इसके हर तरफ हरियाली देखने में बहुत अच्छी लगती है। इसकी खूबसूरती के कारण यहां पर हजारों का संख्या में टूरिस्ट पहुंचते हैं।

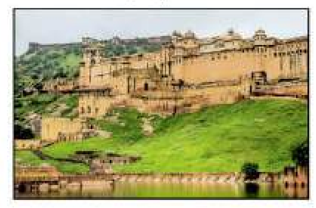

5. जयपुर

पिंक सिटी यानि जयपुर घूमने का मन है तो इस मानसून यहां जाने की तैयारी कर लें। यहां का मौसम जून-जुलाई में बहुत अच्छो हो जाता है।

6. लोनावाला

लोनावाला पुणे का सबसे बेहतरीन टूरिस्ट डैस्टिनेशन है। यहां पर जून से लेकर सितंबर तक का मौसम बहुत अच्छा होता है। लोग यहां पर आने के लिए इस मौसम का बेसब्री से इंतजार रहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**